R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 05
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शनिवार, 13 सितम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 वेतन भुगतान पर कोर्ट के आदेश की अवहेलना, ...
5 पुलिस अधीक्षक द्वारा साप्ताहिक शुक्रवार परेड ...
7 'सैयारा' के बाद 'लव इन वियतनाम'में लगा लव ...

बाढ़ की आड़ में पाकिस्तान से तस्करी, हथियारों का जखीरा देख पुलिस के भी उड़े होश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और अपराध जाँच एजेंसी (सीआईए) ने पंजाब के फाजिल्का जिले में देर रात एक अभियान में हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा जब्त किया, जिसे अधिकारियों ने पाकिस्तान समर्थित आतंकी तस्करी का प्रयास बताया। छापेमारी के दौरान दो संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों के अनुसार, बीएसएफ द्वारा सीआईए फाजिल्का के साथ मिलकर मिली विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर थेह कलंदर गाँव में यह संयुक्त अभियान चलाया गया। टीमों ने 16 पिस्तौल, 38 मैगज़ीन, 1, 847 ज़िंदा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की। गिरफ़्तार किए गए लोगों की पहचान फाज़िल्का के झोक दीपुलाना और महातम नगर गाँवों के निवासियों के रूप में हुई है।

बीएसएफ ने कहा कि खुफिया जानकारी से सीमा पार तस्करी की कोशिश का संकेत मिला था, जिसके चलते यह छापेमारी योजनाबद्ध तरीके से की गई। अधिकारियों ने इस ज़ब्ती को एक बड़ी कामयाबी बताते हुए कहा कि इससे पाकिस्तान से जुड़ी एक बड़ी नार्को-आतंकवादी साजिश को झटका लगा है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक संभावित खतरा टल गया है।

बीएसएफ के एक अधिकारी ने बयान में कहा कि बीएसएफ की खुफिया शाखा को मिली खुफिया जानकारी के बाद यह अभियान शुरू किया गया, जिसमें फाजिल्का के सीमावर्ती इलाके में तस्करी की संभावित कोशिश का संकेत दिया गया था। इस महत्वपूर्ण अभियान ने पाकिस्तान की बड़ी नार्को-आतंकवादी साजिश को नाकाम कर दिया, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक संभावित खतरे को प्रभावी ढंग से खत्म कर दिया गया।

प्रियंका ने वायनाड में विकास परियोजनाओं की समीक्षा की, नए उपराष्ट्रपति को बधाई दी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को सी.पी. राधाकृष्णन के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने पर उन्हें बधाई दी। राधाकृष्णन के शपथ ग्रहण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मैं उन्हें शुभकामनाएं देती हूं।'' प्रियंका गांधी बृहस्पतिवार रात अपने लोकसभा क्षेत्र वायनाड पहुंची जहां शुक्रवार को उन्होंने एक लंबित सड़क परियोजना का भी निरीक्षण किया ताकि मंजूरी संबंधी मुद्दों सहित देरी के कारणों को समझा जा सके।

पूझीथोडे-पडिंजरथरा सड़क निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करने के बाद उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और अधिकारी मंजूरी के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय से संपर्क करने की तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''मैं खुद देखना चाहती थी कि सड़क अभी कहां है, प्रगति क्या है, और क्या मुद्दे और आपत्तियां हैं। मैं अच्छी तरह अवगत हो गई हूं।'' प्रियंका गांधी ने प्रस्तावित मेप्पाडी सुरंग सड़क के बारे में कहा कि यह इसकी तत्काल आवश्यकता है क्योंकि लोग वास्तव में परेशान हैं। उनका कहना था, ''लोगों की ज़रूरतों को पूरा करते हुए, पारिस्थितिकी और पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर भी विचार करना होगा। एक संतुलन बनाना होगा। लोगों के लिए चिकित्सा और अन्य सुविधाओं तक पहुंचना बेहद ज़रूरी है, जिन तक वे आज भी नहीं पहुंच पा रहे हैं।

पुलिस ने विदेश जाने से रोका था अदालत पहुंची ऐक्टिविस्ट भानु तातक

याचिका पर सुनवाई से हाई कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को बांध विरोधी कार्यकर्ता भानु तातक द्वारा दायर एक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें पढ़ाई के लिए विदेश जाने से गलत तरीके से रोका गया था। दूसरी ओर, गृह मंत्रालय (एमएचए), विदेश मंत्रालय (एमईए) और आव्रजन ब्यूरो का प्रतिनिधित्व कर रहे स्थायी वकील आशीष दीक्षित ने दलील दी कि याचिका दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष विचारणीय नहीं है। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता अरुणाचल प्रदेश में कई आपराधिक मामलों का सामना कर रहा है और ईटानगर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के अनुरोध पर लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया था।

न्यायमूर्ति स्वर्णकांत शर्मा की पीठ ने सरकार की ओर से प्रस्तुत दलीलों से सहमति जताई और कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय के पास इस मामले पर विचार करने का क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र नहीं है। न्यायालय ने याचिकाकर्ता को उचित राहत के लिए अरुणाचल प्रदेश उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का निर्देश दिया और तदनुसार याचिका खारिज कर दी। इस महीने की शुरुआत में डबलिन जाने वाली उड़ान में सवार होने की कोशिश करते समय दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों द्वारा रोके जाने के बाद कार्यकर्ता ने अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

याचिका के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश की 30 वर्षीय निवासी तातक को 7 सितंबर, 2025 को डबलिन सिटी यूनिवर्सिटी में तीन महीने के कोर्स के लिए आयरलैंड की यात्रा करनी थी। वैध निमंत्रण पत्र और यात्रा दस्तावेज होने के बावजूद, उसे आव्रजन अधिकारियों ने सूचित किया कि वह उड़ान में नहीं चढ़ सकती क्योंकि उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया था। याचिका में कहा गया है कि अरुणाचल प्रदेश में जांच अधिकारियों से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद न तो उसे और न ही उसके परिवार के सदस्यों को कभी एलओसी की प्रति उपलब्ध कराई गई।

प्रधानमंत्री मोदी का मणिपुर दौरा, विकास परियोजनाओं से क्षेत्र को मिलेगी नई पहचान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 से 15 सितंबर तक मिज़ोरम, मणिपुर, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार का दौरा करेंगे। 13 सितंबर को, प्रधानमंत्री मिज़ोरम का दौरा करेंगे और सुबह लगभग 10 बजे आइज़ोल में 9000 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री मणिपुर का दौरा करेंगे और दोपहर लगभग 12:30 बजे चुराचांदपुर में 7, 300 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। वे इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे।

इसके बाद, वे दोपहर लगभग 2:30 बजे इम्फाल में 1, 200 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और एक जनसभा को संबोधित करेंगे। 14 सितंबर को, प्रधानमंत्री असम में 18, 530 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली प्रमुख बुनियादी ढाँचा और औद्योगिक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। वह सुबह लगभग 11 बजे दरांग में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे और एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद, वह दोपहर लगभग 1:45 बजे गोलाघाट में असम बायो-एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड, नुमालीगढ़ रिफाइनरी प्लांट का उद्घाटन करेंगे। वह गोलाघाट में पॉलीप्रोपाइलीन प्लांट की भी आधारशिला रखेंगे।

15 सितंबर को, प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे और सुबह लगभग 9:30 बजे कोलकाता में 16वें संयुक्त कमांडर्स सम्मेलन-2025 का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री बिहार का दौरा करेंगे और दोपहर लगभग 2:45 बजे पूर्णिया हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, वह पूर्णिया में लगभग 36, 000 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे और इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। वह बिहार में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का भी शुभारंभ करेंगे।

मणिपुर के समावेशी, सतत और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री चुराचांदपुर में 7, 300 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इन परियोजनाओं में 3, 600 करोड़ रुपये से अधिक की मणिपुर शहरी सड़कें, जल निकासी और परिसंपत्ति प्रबंधन सुधार परियोजना; 2, 500 करोड़ रुपये से अधिक की 5 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ; मणिपुर इन्फोटेक डेवलपमेंट परियोजना, 9 स्थानों पर कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास आदि शामिल हैं।

प्रधानमंत्री इंफाल में 1, 200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। इनमें मंत्रीपुखरी में नागरिक सचिवालय; मंत्रीपुखरी में आईटी एसईजेड भवन और नया पुलिस मुख्यालय; दिल्ली और कोलकाता में मणिपुर भवन; और 4 जिलों में महिलाओं के लिए अनूठा बाजार, इमा मार्केट शामिल हैं।

शशि थरूर का ट्रंप पर हमला, अस्थिर हैं अमेरिकी राष्ट्रपति, कूटनीति नहीं जानते

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ का भारत पर असर पड़ा है और लोगों की नौकरियां पहले ही जा चुकी हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भी निशाना साधा और कहा कि वह स्वभाव से 'अस्थिर' हैं और कूटनीतिक व्यवहार के पारंपरिक मानकों का सम्मान नहीं कर रहे हैं। अमेरिका ने भारत से आने वाले माल पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जिसमें रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत जुर्माना भी शामिल है। थरूर ने कहा कि टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए भारत को निर्यात बाजारों में विविधता लाने की ज़रूरत है। उन्होंने आगे कहा कि सूरत में रत्न एवं आभूषण व्यवसाय, समुद्री खाद्य और विनिर्माण क्षेत्रों में 1.35 लाख लोगों की नौकरियाँ चली गई हैं। थरूर ने भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र के शीर्ष उद्योग निकाय क्रेडाई द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में भारत-अमेरिका संबंधों और टैरिफ लगाने से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि ट्रम्प एक बहुत ही चंचल व्यक्ति हैं, और अमेरिकी व्यवस्था राष्ट्रपति को अद्भुत छूट देती है। ट्रंप के बारे में अपनी राय जारी रखते हुए थरूर ने कहा कि हालांकि उनसे पहले 44 या 45 राष्ट्रपति हुए हैं, लेकिन किसी ने भी व्हाइट हाउस से इस तरह का व्यवहार नहीं देखा। कांग्रेस नेता ने ट्रंप को हर पैमाने पर एक 'असामान्य राष्ट्रपति' बताया और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति निश्चित रूप से कूटनीतिक व्यवहार के पारंपरिक मानकों का सम्मान नहीं करते। थरूर ने कहा, 'मेरा मतलब है, क्या आपने कभी किसी विश्व नेता को खुलेआम यह कहते सुना है कि वह नोबेल शांति पुरस्कार के हकदार हैं? ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

एसआईटी रिपोर्ट में 'विस्फोटक' खुलासे

देश के खिलाफ काम कर रहे गिरोह की ओर इशारा : शर्मा

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई और उनके परिवार के कथित पाकिस्तानी संबंधों की जांच करने वाले विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट में 'विस्फोटक खुलासे' हैं और यह देश की विकास प्रक्रिया को बदनाम करने और नीचा दिखाने के लिए काम कर रहे एक गिरोह की ओर इशारा करती है। मुख्यमंत्री ने यहां बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी करने के कार्यक्रम से इतर कहा, ''मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि यह एक बेहद विस्फोटक रिपोर्ट है। यह एक तरह का गिरोह है जो हमारे देश की विकास प्रक्रिया को बदनाम और उसे नीचा दिखाने के लिए काम कर रहा था।''

उन्होंने कहा, ''उस गिरोह में एक पाकिस्तानी नागरिक और कांग्रेस सांसद की ब्रिटिश पत्नी शामिल हैं। रिपोर्ट में यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है।'' मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एसआईटी टीम ने ''हमारे देश की संप्रभुता के लिए खतरा पैदा करने वाले कई महत्वपूर्ण दस्तावेज़ बरामद किए हैं।''उन्होंने कहा कि एक बार कैबिनेट इस पर चर्चा कर ले, तो 'हम आम जनता के लिए रिपोर्ट जारी करेंगे और आगे उठाए जाने वाले कदमों पर भी फैसला करेंगे।'' शर्मा ने कहा, ''पहले रिपोर्ट पर चर्चा करना और फिर आगे की कार्रवाई पर फैसला लेना कैबिनेट का विशेषाधिकार है।''

उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि प्रधानमंत्री का राज्य का दो दिवसीय दौरा और 22 सितंबर को बीटीसी चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हो। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम रिपोर्ट को लेकर कोई नाटक नहीं करना चाहते, क्योंकि सरकार 'टीआरपी' के लिए काम नहीं करती। हम इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और ज़रूरी प्रक्रिया का पालन करेंगे।'' विशेष पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व वाली एसआईटी ने बुधवार शाम मुख्यमंत्री को औपचारिक रूप से रिपोर्ट सौंप दी थी। कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने शर्मा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यों से अपने पद का मजाक उड़ाया है और उनके शब्दों की विश्वसनीयता खत्म हो गयी है। इस पर शर्मा ने कहा कि 'मीडिया ने उन्हें नायक बना दिया है।'' '

भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर 'बॉडी डबल' (हूबहू दिखने वाले व्यक्ति) का इस्तेमाल किए जाने के बारे में शर्मा ने कहा कि उन्होंने यात्रा के दौरान एक संवाददाता सम्मेलन में सारी जानकारियां दे दी थीं।

बिहार सरकार देगी सितंबर में तीन बड़े तोहफे

एसडीआरएफ, पशु विज्ञान विश्वविद्यालय और साइंस सिटी का उद्घाटन इसी महीने

पटना **(एजेंसी)**। बिहार सरकार लगातार जनहित को ध्यान में रखते हुए प्रदेशवासियों को बड़ी सौगातें दे रही है। इसी कड़ी में इस बार केवल सितंबर माह में तीन महत्वपूर्ण भवनों का उद्घाटन किया जाएगा। ये तीन प्रमुख तोहफे 'डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम साइंस सिटी', 'राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) मुख्यालय' और 'बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय' के नए भवन हैं।

बिहटा के दिलावरपुर में 25 एकड़ भूमि पर 287.52 करोड़ रुपये की लागत से एसडीआरएफ मुख्यालय का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसमें प्रशासनिक भवन, क्वार्टर मास्टर स्टोर, ट्रेनिंग ब्लॉक, हेड कॉन्स्टेबल व डिप्टी कमांडेंट आवास सहित कई अन्य भवन शामिल हैं। राज्य आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में दक्षता बढ़ाने के लिए परिसर में एक राष्ट्रीय स्तर का आधुनिक स्विमिंग पूल भी निर्मित किया जा रहा है। प्रशिक्षकों और जवानों के लिए अत्याधुनिक आवासीय व प्रशिक्षण सुविधाएं तैयार की गई हैं। भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने बताया कि शेष भवन निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर उद्घाटन की योजना बनाई गई है।

विभाग की ओर से बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का भी निर्माण कराया जा रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में डेयरी इंजीनियरिंग भवन, प्रशासनिक ब्लॉक, पशु प्रयोगशाला, फीड विश्लेषण लैब, यूजी/पीजी हॉस्टल, कुलपति आवास सहित कुल 14 भवनों का निर्माण पूरा हो चुका है। इसके निर्माण में ग्रीन बिल्डिंग फीचर्स का विशेष ध्यान रखा गया है। छात्र-छात्राओं के लिए आधुनिक हॉस्टल सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय में 1200 लोगों की क्षमता वाला ऑडिटोरियम भी बन रहा है।

मोइन-उल-हक स्टेडियम के समीप 20.5 एकड़ भूमि पर विकसित हो रहा यह साइंस सिटी राज्य में विज्ञान शिक्षा व जनजागरूकता को बढ़ावा देगा। बी ए साइंटिस्ट्स गैलरी और बेसिक साइंस गैलरी में पहले चरण में 47 विज्ञान प्रदर्श स्थापित किए जा चुके हैं। कुल पांच गैलरियों में 269 विज्ञान प्रदर्श स्थापित किए जाएंगे। यह सुविधा विज्ञान के प्रति युवा पीढ़ी में रुचि जगाने के साथ-साथ शैक्षणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित होगी।

इन तीन प्रमुख परियोजनाओं के उद्घाटन से न केवल बिहार में शिक्षा, आपदा प्रबंधन और विज्ञान क्षेत्र में नए आयाम जुड़ेंगे, बल्कि राज्य की आधुनिकता और समग्र विकास को भी बल मिलेगा। सरकार ने सभी कार्यों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। जल्द ही ये तोहफे बिहारवासियों को सौंपे जाएंगे।

पंजाब में बाढ़ पीड़ितों को बड़ी राहत

सीएम मान बोले- देश में सबसे ज्यादा मुआवजा, 30 दिन में भुगतान

अमृतसर **(एजेंसी)**। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को राज्य के बाढ़ प्रभावित इलाकों में चल रहे राहत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा के लिए अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए सभी उपायुक्तों से बातचीत की और उन्हें निर्देश दिया कि वे बिना किसी देरी के फसल, पशुधन और घरों को हुए नुकसान का व्यापक सर्वेक्षण सुनिश्चित करें। मान ने दोहराया कि पंजाब प्रभावित परिवारों को देश में सबसे ज़्यादा मुआवज़ा देगा।

भगवंत मान ने कहा कि यह सिर्फ़ एक घोषणा नहीं है। पहले किसानों को 26 रुपये के मामूली चेक दिए जाते थे, लेकिन इस बार उपायुक्तों को निष्पक्ष और पारदर्शी मूल्यांकन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। मैं एक किसान परिवार से ताल्लुक रखता हूँ; मेरे अपने खेत भी पहले जलमग्न हो चुके हैं। मैं इस दर्द को समझता हूँ। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि विशेष गिरदावरी (नुकसान का आकलन) रिपोर्ट 30-40 दिनों के भीतर तैयार कर ली जाएगी और एक महीने के भीतर मुआवज़ा वितरण शुरू हो जाएगा।

जिन किसानों की फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं, उन्हें प्रति एकड़ 20, 000 रुपये दिए जाएँगे, जबकि गाय-भैंस जैसे मवेशियों के नुकसान के लिए 37, 500 रुपये प्रति एकड़ मुआवज़ा दिया जाएगा। जिन परिवारों के घर बाढ़ के कारण ढह गए हैं या रहने लायक नहीं रहे हैं, उन्हें भी 100 प्रतिशत क्षति की श्रेणी में शामिल किया जाएगा। मान ने आगे कहा कि एसडीआरएफ के दिशानिर्देश केवल 6, 800 रुपये के मुआवज़े की अनुमति देते हैं, लेकिन पंजाब प्रभावित परिवारों को 40, 000 रुपये की राशि सुनिश्चित करने के लिए इसे बढ़ाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया, 'यह कंजूसी करने का समय नहीं है। राहत चेक तैयार हैं और दिवाली के आसपास लोगों को ये मिलने शुरू हो जाएँगे।'

अब तक बाढ़ से संबंधित 55 मौतों की पुष्टि हो चुकी है और 42 परिवारों को मुआवज़ा जारी किया जा चुका है। बाकी मामलों में, जहाँ मृतक के वारिस लापता हैं या शव अभी तक बरामद नहीं हुए हैं, सरकार दावों के निपटारे की व्यवस्था कर रही है। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा शिविर लगाने और मृत पशुओं के सुरक्षित निपटान के उपायों की भी घोषणा की। घग्गर नदी के किनारे की स्थिति की समीक्षा करते हुए, उन्होंने कहा कि खतरे के स्तर पर कड़ी नज़र रखी जा रही है और कमज़ोर जगहों पर तटबंधों को मज़बूत किया जा रहा है। मान ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि राहत वितरण में लापरवाही या भ्रष्टाचार का दोषी पाए जाने वाले किसी भी अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, 'यह राजनीति का समय नहीं है। दुर्भाग्य से, कुछ लोगों ने इस संकट का राजनीतिकरण करने की कोशिश की है, जो बेहद शर्मनाक है।'

मॉरीशस के प्रधानमंत्री अयोध्या पहुंचे, राम मंदिर में की पूजा-अर्चना

आयोध्या **(एजेंसी)**। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने शुक्रवार को अयोध्या पहुंचकर राम मंदिर में पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या हवाई अड्डे पर नवीनचंद्र रामगुलाम का स्वागत किया। मॉरीशस के प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए हवाई अड्डे से राम मंदिर जाने वाले मार्ग को सजाया गया था। पूरे मार्ग पर प्रधानमंत्री के स्वागत में पोस्टर और बैनर भी लगाए गए थे। रामगुलाम के स्वागत के लिए मुख्यमंत्री के साथ मौजूद उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा, 'ब्रिटिश शासन के दौरान उत्तर प्रदेश और बिहार से बड़ी संख्या में लोग मॉरीशस गए थे और अब वे वहां की मुख्यधारा का हिस्सा बन चुके हैं। उन्होंने वहां भारत की सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखा है।' उन्होंने कहा कि हम मॉरीशस के प्रधानमंत्री का अयोध्या में हार्दिक स्वागत करते हैं। रामगुलाम नौ से 16 सितंबर तक भारत की यात्रा पर हैं। अयोध्या में अधिकारियों के अनुसार, प्रधानमंत्री रामगुलाम ने अपनी पत्नी वीना रामगुलाम के साथ राम मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद मंदिर निर्माण कार्य और इसकी प्रगति की जानकारी प्राप्त की। मॉरीशस के अधिकारियों का 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल उनके साथ था। इससे पहले दिन में उन्होंने वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन किए। रामगुलाम बुधवार को वाराणसी पहुंचे थे और उन्होंने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की।

सांसद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक

शासन के मंशानुरूप सभी को मिले चिकित्सा का लाभ, दर-दर ना भटके जनमानस - सांसद

विकासात्मक योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर संचालित करना सभी अधिकारीगण करें सुनिश्चित : जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सांसद डॉ विनोद बिंद की अध्यक्षता व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरूद्ध त्रिपाठी, विधायक दीनानाथ भाष्कर, जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। सांसद ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने विभागों की जनकल्याणकारी लाभार्थीपरक योजनाओं की जानकारी सभी जनप्रतिनिधियों को भी उपलब्ध कराये।

विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग द्वारा सांसद को अगवत कराते हुए जानकारी दी गयी। माननीय सांसद ने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर में काफी शिकायते आ रही है। इसमें सुधार कराये, साथ ही खराब ट्रान्सफार्मरों को तत्काल बदलवाये। शासन द्वारा निर्धारित विद्युत आपूर्ति कराये। विद्युत विभाग की सारी व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण कर लिया जाए साथ ही उन्होंने बिजली बिल के संबंध में निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी जनपदवासी का बिजली बिल मानक के अनुरूप ही आए, उसमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी हो तो उसे आवश्यक कार्रवाई करते हुए सुधार कर लिया जाए।

डीएम शैलेष कुमार ने गारंटी योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, वृद्धावस्था पेंशन योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, मिड डे मील योजना, सर्व शिक्षा अभियान, आईसीडीएस, प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास

योजना, किसान सम्मन निधि योजना आदि के अद्यतन प्रगति की विस्तृत समीक्षा कर विभिन्न दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जनपद की समस्याओं को सभी अधिकारी अंगीकृत करके समस्या का निदान करायें, बैठक में उठाए गए विभिन्न बिंदुओं का समयबद्ध निस्तारण करायें स विभिन्न शिकायतों का संतुष्टिपरक निदान किया जाए, बैठक में जो भी विषय उठाये जायें उस पर कार्रवाही अवश्य की जाये, जिससे जनता को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

सांसद ने सीएमओ को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुसार जनमानस के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। माननीय सांसद ने कौशल विकास मिशन विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि टारगेट के अनुसार रोजगार मेला आयोजित कर रोजगार मुहैया कराए, सांसद ने पीडब्ल्यूडी विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि जो सड़के क्षतिग्रस्त हो गई है उन सड़कों को पुनः जीरोद्धार करने का निर्देश दिया। जनप्रतिनिधियों के द्वारा कृपालपुर, विठौली की सड़क अत्यधिक खराब होने की शिकायत करने पर जॉच करने के लिए टीम गठित करने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया।

बैठक में जनप्रतिनिधिगण ब्लाक प्रमुख अभोली प्रियंका बिन्द, सभी सदस्यगणों ने अपने-अपने क्षेत्र से सम्बन्धित विकासात्मक समस्याओं व कार्यो से सदन को अवगत कराया गया। जिस पर जिलाधिकारी ने सभी को आश्वस्त किया कि उनकी सभी बातों को गम्भीरता से सुनते हुए सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा नोट कर लिया गया है। जिसका समय-सीमा के अन्तर्गत निस्तारण सुनिश्चत कर लिया जायेगा।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार व मुख्य विकास अधिकारी ने सांसद को आश्वस्त कराया कि उनके द्वारा दिये गये सभी निर्देशों व सुझावों का समयबद्ध व गुणवत्ता के साथ कार्य सम्पादन किया जायेगा। इस हेतु सभी जनपदीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि बैठक के सभी बिन्दुओं पर तत्परता के साथ कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी ने विकास के समग्र बिन्दुओं पर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के विकास के दृष्टिगत सभी विकास कार्य समय सीमा में कराना सुनिश्चित करें।

विधायक दीनानाथ भाष्कर ने ग्राम परानापुर, द्वारिकापुर की सड़कों का निर्माण कार्य बरसात के बाद कार्य को पूर्ण कराने के लिए अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिया। विधायक औराई ने कहा कि फसल बीमा योजनान्तर्गत गंगा के किनारे सभी ग्रामों के किसानों को अधिक से अधिक फसल बीमा का लाभ दिये जाने हेतु उप कृषि निदेशक को निर्देश दिया। किसान सम्मान नीधि का लाभ पा रहे व मृतक हो गये परिवारों को किसान सम्मान निधि का लाभ दिया जाय। बैठक के समाप्ति में मा. सांसद ने केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी व लाभार्थीपरक योजनाओ का लाभ समाज के निचले पायदान पर खड़े व्यक्तियों को मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य करें, जो भी कार्य जनप्रतिनिधि ने अवगत कराया गया व बैठक एजेंडा में अवगत कराया गया है अधिकारी प्राथमिकता के साथ समय से पूर्ण कराए। सरकार की योजनाओं को धरातल पर लाया जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संतोष कुमार चक, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी परियोजना निदेशक आदित्य कुमार, जिला विकास अधिकारी ज्ञान प्रकाश, समाज कल्याण अधिकारी मीना श्रीवास्तव, जिला पंचायत राज अधिकारी संजय मिश्रा, डी0सी0 मनरेगा राजाराम, डीडीएसभी विभागों के अधीक्षण/अधिशासी अभियंता, बीएसए, समस्त अधिशासी अधिकारी सहित सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हाईवे पर कट बंद रहा तो नहीं होगा रामलीला का मंचन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। नगर पंचायत अजुहा में रामलीला मंचन को लेकर शुक्रवार को कमेटी की बैठक हुई। बैठक में पदाधिकारियों द्वारा दशहरा मेला व रामलीला मंचन समेत कई मुद्दों पर निर्णय लिया गया। कहा गया कि यदि कट बंद रहे तो दशहरा मेला और रामलीला का मंचन नहीं कराया जाएगा। नगर पंचायत कार्यालय में बैठक के दौरान दशहरा मेला व रामलीला के आयोजन पर चर्चा हुई। सभी लोगों ने निर्णय लिया कि यदि हाईवे (जीटी रोड) के सारे कट बंद रहेंगे तो सकुशल मेला सम्पन्न होने में बाधा आएगी। बैठक में उपस्थित कमेटी के लोगों ने डीएम से मिलकर समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट कराने का निर्णय लिया।

कमेटी के लोगों का मानना है कि कट बंद होने से कोई भी अप्रिय घटना हो सकती है। रामलीला कमेटी अध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाहा ने बताया कि अगर नगर पंचायत अजुहा के सारे कट खोले जाएंगे तो अजुहा का दशहरा मेला संपन्न होगा नहीं तो मेला नहीं कराया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से कमेटी अध्यक्ष ओम प्रकाश कुशवाहा के अलावा अधिशासी अधिकारी रश्मि सिंह, रमेश प्रसाद केशरवानी, फूल चंद्र केशरवानी, गुड्डू दराना, जय देव केशरवानी, सौरभ केशरवानी, अनिल बाबा, संजीव केसरवानी, विपिन मोदनवाल, अमन केसरवानी, आशीष मोदनवाल, रमेश चंद्र अग्रहरि, विमल पुच्ची, अरविन्द केसरवानी, हर्ष सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

दरोगा पर बुजुर्ग को कत्ल में फंसाने की धमकी देने का आरोप

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पिपरी थाने के लोधौर गांव में बुधवार शाम पहुंचे दरोगा और सिपाही पर बुजुर्ग ने गाली गलौच करने का आरोप लगाया है। विरोध करने पर कत्ल के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देते हुए चौकी पकड़ ले गए। दो घंटे के बाद उसे चौकी से छोड़ा गया। पीड़ित ने शुक्रवार को मामले की शिकायत एसपी से की। लोधौर निवासी पंकज सिंह ने बताया कि वह किसानी करता है। बुधवार शाम को उसके पिता लवकुश गांव के ही एक व्यक्ति के दरवाजे पर बैठे थे। इसी दौरान लोधौर चौकी के दरोगा एक सिपाही के साथ पहुंचे और उनकी फोटो खींचने लगे।

लवकुश के विरोध करने पर गाली गलौज करते हुए कत्ल के झूठे मुकदमे में फंसाकर जिंदगी बर्बाद करने की धमकी दी। इसके बाद जबरन चौकी पकड़ ले गए। दो घंटे के बाद चौकी प्रभारी के दखल देने पर उसे छोड़ दिया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि उनके परिवार का ही एक युवक ग्राम प्रधान है। वह इन लोगों से रंजिश रखता है। उसी के कहने पर पुलिस ने उसके साथ ऐसा बर्ताव किया है। शिकायत पर एसपी राजेश कुमार ने मामले की जांच कराकर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

बदमाशों पर घर के बाहर अंधाधुंध फायरिंग करने का आरोप

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। संदीपन घाट थाने के जोत खातून मजरा मोहनापुर गांव में गुरुवार रात बदमाशों ने युवक के घर के बाहर हवाई फायरिंग की। इससे हड़कंप मच गया। लोगों के शोर मचाने पर बदमाश फरार हो गए। घटना में फायर के निशान दरवाजे पर मिले हैं। कुछ गोलियां के निशान घर की दीवारों पर भी है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की। जोत खातून मजरा मोहनापुर गांव निवासी सुभाष चंद्र पुत्र होरी लाल सरोज मजदूरी कर परिवार का गुजारा करता है। उसने बताया कि गुरुवार रात वह परिवार के साथ घर के अंदर सो रहा था। आधी रात में अज्ञात बदमाश उसके घर के बाहर पहुंचे और गाली गलौच कर अंधाधुंध फायरिंग करने लगे।

आस-पड़ोस के लोग भी जाग गए। शोर मचाने पर बदमाश फरार हुए। सुभाष के अनुसार घटना में फायर के निशान दरवाजे और दीवार पर मिले हैं। उसने आरोप लगाया है कि जिन लोगों ने उसके पिता होरीलाल, बहन बृजकली और बहनोई की हत्या की है, वही लोग उसकी भी जान लेना चाहते हैं। पीड़ित ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। इंस्पेक्टर शशिकांत मिश्रा का कहना है कि मामले की जानकारी है। जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

सोशल सेक्टर के सभी विभागों द्वारा किया गया तहसील स्तरीय जागरूकता शिविर का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सोशल सेक्टर के समस्त विभागों द्वारा तहसील मंझनपुर में तहसील स्तरीय जागरूकता शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि जागरूकता कार्यक्रम में बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओ, महिला सशक्तीकरण, मिशन शक्ति, बाल विवाह, बाल श्रम तथा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पांसरशिप योजना की जानकारी प्रदान कर आम-जनमानस को अधिक से अधिक आवेदन कराये जाने के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धावस्था पेंशन, पारिवारिक लाभ, शादी अनुदान, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी द्वारा दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की समस्त योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। समस्त अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के 05, निराश्रित महिला पेंशन के 05, वृद्धावस्था पेंशन के 10, लाभार्थियों को योजना स्वीकृति प्रमाण पत्र तथा 10 दिव्यांग लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं उपकरण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी मंझनपुर, जिला समाज कल्याण अधिकारी, दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, जिला पिछड़ावर्ग कल्याण अधिकारी, संरक्षण अधिकारी एवं महिला कल्याण विभाग के अधिकारी कर्मचारी तथा आम जनमानस उपस्थित रहें।

प्रशिक्षण में बताई गई बिन्दुओं एवं तकनीकी पहलुओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर किया जाय

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलधिकारी मधुसूदन हुल्गी के निर्देशानुसार गैर आकांक्षी विकास खंडो के अंतर्गत उदयन सभागार में व्यवहार परिवर्तन पर विशेष प्रशिक्षण/कार्यशाला का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने सभी नोडल अधिकारियों से कहा कि पूर्ण मनोयोग के साथ विधिवत प्रशिक्षण प्राप्त किया जाय। प्रशिक्षण में बताई गई बिन्दुओं एवं तकनीकी पहलुओं को ध्यान से समझे तथा क्षेत्र भ्रमण के दौरान बताई गई तकनीकी पहलुओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर किया जाय, ताकि जमीनी स्तर पर सुधार एवं परिवर्तन लाया जा सकें, जिसका लाभ आमजन को सुगमतापूर्वक मिल सकें।

प्रशिक्षण/कार्यशाला में नीति आयोग की टीम शिवी उपाध्याय, स्वाति श्रीवास्तव एवं काव्या मानवी ने नोडल अधिकारियों को व्यवहार परिवर्तन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस प्रशिक्षण में नोडल अधिकारियों को व्यवहार परिवर्तन की अवधारणा, उसके महत्व तथा जमीनी स्तर पर उसके प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि पंचायत और ग्राम स्तर पर योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में व्यवहार परिवर्तन एक अहम भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम में उपस्थित नोडल अधिकारियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी और व्यवहारिक बताते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास से शासकीय योजनाओं को धरातल में उतारने में आसानी होगी तथा इसके परिणाम भी सकारात्मक एवं प्रभावी प्राप्त होंगे। लाभार्थियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के साथ ही उन्हें जागरूक भी किया जाएगा।

प्रशिक्षण में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, उपायुक्त मनरेगा मनोज वर्मा, उपायुक्त एनआरएलएम सुखराज बन्धु सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण एवं सीएम फेलो राजेश कुमार व सौम्या अवस्थी उपस्थित रहीं।

मेडिकल कॉलेज भर्ती में अनियमितताओं का विरोध, सीएम को सौंपा ज्ञापन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। मेडिकल कॉलेज भर्ती में पारदर्शिता की मांग को लेकर शुक्रवार को हिंदू रक्षा समिति के तत्वाधान में सैकड़ों बेरोजगार युवाओं ने प्रदर्शन कर सीएम योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन एडीएम न्यायिक प्रबुद्ध सिंह को सौंपा। युवाओं ने आरोप लगाया कि भर्ती विज्ञापन का पर्याप्त प्रचार-प्रसार नहीं हुआ, ऑनलाइन आवेदन पोर्टल में खामियां रहीं और रिक्त पदों व आरक्षण की जानकारी स्पष्ट नहीं दी गई। ज्ञापन में मांग की गई कि भविष्य में विज्ञापन प्रमुख समाचार पत्रों व डिजिटल माध्यमों पर जारी हों, ऑफलाइन आवेदन की सुविधा मिले और प्रत्येक पद की सीट व योग्यता का स्पष्ट विवरण उपलब्ध कराया जाए।

एडीएम ने आश्वासन दिया कि प्रकरण को गंभीरता से उच्च स्तर पर भेजा जाएगा। प्रदर्शन में शिवम पाण्डेय, हर्षित मिश्रा, दीपक मौर्या, आर्यन तिवारी, कृष्ण साहू, अमन मिश्रा समेत सैकड़ों युवा शामिल रहे।

पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 32 वारण्टी और 2 वांछित अभियुक्तों को किया अरेस्ट

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। एसपी राजेश कुमार के निर्देशन में गुरुवार की रात में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए वांछित और वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

ज्ञात हो कि पुलिस द्वारा चलाये गये वृहद अभियान में जनपद के विभिन्न थानों से 32 वारण्टी तथा 02 वांछित (कुल 34) अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

विद्युत केबल बदलने के लिए उपभोक्ताओं हो रहे परेशान

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। डिडई बांसी तहसील क्षेत्र मिठवल ब्लॉक के दुभरा गाँव में कमजोर पोलों जर्जर तार व केबिलों के कारण विद्युत वितरण में आए दिन आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए विद्युत विभाग द्वारा ठेकेदारों के माध्यम से जर्जर तारों व केबिलों को बदलने का कार्य कराया जा रहा है। परन्तु ठेकेदार उपभोक्ताओं से बगैर सुविधा शुल्क लिए केबल बदलने को राजी नहीं है। मामला बांसी सबस्टेशन व मिठवल विकास क्षेत्र के गाँव दुभरा का है, जहाँ पुराने केबल को बदलने के लिए अपनी टीम व केबल लेकर गाँव में पहुंचे और गाँव के एलटी लाइन के नंगे तार को बदल कर नया केबल लगाया, कुछ जर्जर पोलों को भी बदला गया।वहीं गाँव के उत्तर टोले में रहने वाले कनेक्शन धारी उपभोक्ता रामकुमार अहमद अली, मोहम्मद नासिर, राम भवन, रंजीत, सफीकुल्लाह, जगमोहन आदि के अनुसार उत्तर टोले में लगे एलटी लाइन के जर्जर केबल को बदलने के लिए ठेकेदार दस हजार रुपये की एकमुश्त डिमांड करने रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि वगैर धन लिए ठेकेदार केबल बदलने को राजी नहीं हैं। वहीं ग्राम प्रधान लालेन्द्र चौधरी ने कहा कि मामले से विभाग के उच्चाधिकारियों को भी अवगत कराया परन्तु कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला।

अनुराग कश्यप, ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो पहुँचे लखनऊ के प्रतिभा थिएटर, निशानची का किया प्रमोशन

मंत्र भारत संवाददाता

जित लखनऊ। अपनी दमदार और बोल्ड स्टोरीटेलिंग के लिए मशहूर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप अब अपनी सबसे ज्यादा इंतेज़ार की जाने वाली फिल्म निशानची के प्रमोशन में जुट चुके हैं। चेन्नई के बाद अब अनुराग लीड कास्ट ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो के साथ नवाबों के शहर लखनऊ पहुँचे हैं। यहाँ टीम ने पोस्टर लॉन्च कर निशानची का प्रमोशन शहर के मशहूर प्रतिभा थिएटर में किया, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों का जोश और भी बढ़ गया है।

फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ के बाद से ही चर्चा का विषय बना हुआ है और अब प्रमोशन के सिलसिले में लखनऊ पहुंची टीम ने दर्शकों से सीधा जुड़ाव बनाया। अनुराग कश्यप, ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो की मौजूदगी ने थिएटर का माहौल और भी खास बना दिया। निशानची के इस प्रमोशनल टूर ने साबित कर दिया है कि फिल्म अपनी रिलीज़ से पहले ही दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतर रही है।

अमेज़न एमजीएम स्टूडियो द्वारा रिलीज की जा रही इस फिल्म के साथ बेहद टैलेंटेड ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो बतौर लीड अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर में दोनों एक्टर्स की परफॉर्मेंस बेहद कैची लगी है, साथ ही उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर रही है कि क्या सच में यह उनकी डेब्यू फिल्म है। इसके अलावा निशानची के साथ ऐश्वर्य सिर्फ एक्टिंग ही नहीं बल्कि बतौर सॉन्ग राइटर और कंपोजर भी अपना डेब्यू कर रहे हैं। गाने का हुक लाइन 'पिजन कबूतर भइया, उड़न फ्लाई, लुक देखो आसमान इस्काई' पहले से ही लोगों की जुबान पर चढ़ गया है। गाना पिजन कबूतर तेज़ी से एक जबरदस्त ईयरवर्म यानी सभी का पसंदीदा बनता नजर आ रहा है।

निशानची इस 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है और इससे पहले ही इंडस्ट्री में इसे लेकर जबरदस्त चर्चा का माहौल बना हुआ है। ट्रेलर को न सिर्फ दर्शकों से सराहना मिल रही है बल्कि अमिताभ बच्चन, आयुष्मान खुराना जैसे कई बड़े नामों ने भी इसकी तारीफ की है।

निशानची का देसी तड़का इसे देखने के लिए दर्शकों की बेसब्री को और बढ़ा रहा है। फिल्म की कहानी से लेकर म्यूज़िक हर एक चीज बेजोड़ है। जहां, इसका म्यूज़िक अपनी ताज़गी और अलग अंदाज़ के कारण लोगों के दिल को छू रहा है। वहीं, ऐश्वर्य का डेब्यू फिल्म में उनके डबल रोल के कारण सबसे ज्यादा चर्चित डेब्यूज़ में से एक बन गया है। इसके साथ ही, फिल्म की एंसेंबल कास्ट इसे और भी दिलचस्प बना देती है, जिसमें वेदिका पिंटो, मोनिका पनवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार हैं, जो कहानी में गहराई लाते हैं।

अजय राय और रंजन सिंह के प्रोडक्शन हाउस जार पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म, फ्लिप फिल्म्स के साथ एसोसिएशन में बनाई गई है। फिल्म को प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने मिलकर लिखा है। एक्शन, ह्यूमर और ड्रामा से भरपूर यह मसाला एंटरटेनर 19 सितंबर 2025 को पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

महापौर की अध्यक्षता सदन की कार्यवाही आरम्भ, लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

गलत दस्तावेजों पर बेची जमीन, पीडीए ने किया ध्वस्त

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी की अध्यक्षता में आज दिनांक 12 सितम्बर 2025 को 01 बजे, सदन की कार्यवाही आरम्भ की गयी जिसमें सदन द्वारा कई महत्वपूर्ण निर्णय/संकल्प लिए गये।

गंगाप्रदूषण नियंत्रण इकाई द्वारा कई स्थानों पर ध्वस्त सीवर, नालों में कनेक्टिविटी जैसी जटिल समस्या पर विचार विमर्श के साथ कई पाषदों द्वारा अपनी-अपनी समस्या से सदन को अवगत कराया गया। इस महापौर द्वारा प्रयागराज शहर को जल भराव से निजात दिलाने हेतु जलकल तथा महाप्रबन्धक जलक, जलनिगम, गंगाप्रदूषण नियंत्रण इकाई तथा अन्य जो भी संस्था नाला निर्माण, सीवर आदि का कार्य कराया जा रहा है वर्तमान समय में जलभराव जैसी जटिल समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ऐसी स्थिति में नगर निगम के इंजीनियरिंग विभाग को भी सभी निर्माण कार्यों में सम्मिलित किया जाए जिससे लेवलिंग आदि की सही जानकारी दी जा सके साथ ही उनके भुगतान की कार्यवाही से पूर्व यह सुनिश्चित हो सके कि कार्य सही हुआ है कि नही।

सदन के समक्ष सड़कों के निर्माण के दौरान कार्य कर रही फर्मो द्वारा उस सड़क पर चेम्बर रेजिंग का कार्य नही कराया जाता जिससे सड़क निर्माण के उपरान्त सीवर की सफाई आदि में काफी दिक्कतों का सामना करना पडता है ऐसी दशा में सदन द्वारा- यदि ठेकेदार/सम्बन्धित फर्म द्वारा चेम्बर आदि का कार्य नही किया जाता तो उसके भुगतान से कटौती की जाए।

दशहरा, दुर्गापूजा, विसर्जन तथा दीपावली के पूर्व तथा चौकियॉ निकलने वाले मार्गो पर पैच वर्क, मार्ग प्राकश व्यवस्था, साफ-सफाई तथा पेड़ों की टहनियों को छटवाने के कार्य युद्ध स्तर पर किये जाने के निर्देश दिये गये। दुर्गापूजा पंडालों पर लाइटों, साफ-सफाई, पेयजल आदि की आपूर्ति सुनिश्चित करायी जाए।

प्रयगराज में विभिन्न क्षेत्रों में पी0डब्लू0डी0, यू0पी0पी0सी0एल0, एन0एच0आइ0, लोक निर्माण विभाग अन्य जैसे विभागों नें विभिन्न फर्मों द्वारा स्ट्रीट लाइटों का कार्य कराया है यदि उक्त लाइटों को निगम को हैण्डओवर की जाती है तो ऐसी दशा में फर्मों की प्रतिभूति धनराशि नगर निगम को हस्तानान्तरित की जाए ताकि अनुरक्षण आदि का कार्य कराया जा सके।

हैरीटेज मोहल्लों के सम्बन्ध में तीन मोहल्लों को चिन्हित किया गया है लोकनाथ, दारागंज तथा

मालवीय नगर, इन क्षेत्रें में निगम के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण तथा सर्वे/सुझाव प्राप्त किया जाएगा कि किस प्रकार इन क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है।

प्रयागराज को आई0टी0 सिटी के रूप में विकसित किये जाने के लिए प्रयागराज के उन युवकों से भी सुझाव प्राप्त किया जाएगा जो किसी अन्य शहरों में आई0टी0 सेक्टर में अच्छे पदों पर कार्यरत है साथ ही आई0आई0आई0टी0, एम0एन0आई0टी0, आई0टी0 तथा अन्य सस्थानों के निदेशकों से सुझाव प्राप्त करके प्रस्ताव बनाया जाए जिसे शासन को भेजा जाए।

पार्षदों द्वारा स्ट्रीट लाइटों तथा हाई मास्ट खराब होने की अत्यधिक शिकायत पर महापौर द्वारा इनके गुणवत्ता की जॉच कराये जाने के निर्देश नगर आयुक्त को दिये। दशहरा के पूर्व वेंच वायर जहॉ-जहॉ लगे है वहॉ से सभी स्ट्रीट लाइटों का कनेक्शन कराये जाने के निर्देश दिये गये। इसी क्रम में मुख्य अभियन्ता विद्युत यॉत्रिक द्वारा बताया गया 84 हजार से 1 लाख से अधिक प्रकाश पुंज का कनेक्शन किया जाना है।

महाकुम्भ मेला 2025 के दृष्टिगत नगर निगम प्रयागराज द्वारा आंतरिक गलियों के निर्माण हेतु कराये गये कार्यों की, कई पार्षदों द्वारा गुणवत्ता आदि की शिकायत की गयी, तथा कुम्भ मेला के दौरान जो सड़कों का निर्माण कराया गया है उन सडकों की भी रिपोर्ट सदन की अगली बैठक में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।

सदन द्वारा वित्त मंत्री द्वारा दृष्टिगत जी0एस0टी0 में सुधार से आम जनमानस को राहत दिये जाने पर प्रधानमंत्री को तथा वित्त मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

सदन द्वारा गृहकर हेतु 28 हजार भवन स्वामियों को वित्तीय वर्ष 2024 में वित्तीय वर्ष 2022 से नोटिस जारी किया जाए है उनको राहत देते हुए वित्तीय वर्ष 2023 से प्रभावी किया गया है। जिन्हों ने अपना गृहकर वित्तीय वर्ष 2023-24 में जमा कर दिया है ऐसे भवन स्वामियों को सदन द्वारा राहत देते हुए अन्तर की धनराशि पर ब्याज से मुक्त किया गया है। उक्त कार्यक्रम के दौरान महापौर प्रयागराज, पार्षगण, नगर निगम प्रयागराज के समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।

प्रयागराज। कसारी मसारी और कालिंदीपुरम इलाके में भूमाफिया गलत दस्तावेजों पर जमीन बेच रहे हैं। शुक्रवार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण की टीम जब पहुंची तो लगभग तीन हजार वर्ग मीटर जमीन पर कब्जा पाया। अवैध निर्माण को ध्वस्त किया। इन दोनों क्षेत्रों में प्रयागराज विकास प्राधिकरण की जमीन पर स्वीकृत मानचित्र वाली जमीन पर अवैध कब्जा किया गया था। पीडीए की टीम ने बताया कि गलत आराजी की रजिस्ट्री कराकर प्राधिकरण की आराजी वाली जमीनों पर कब्जा किया गया था। पीडीए ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के साथ ही आम नागरिकों से यह अपील भी की है कि अगर वो कहीं से जमीन खरीदते हैं तो इसका सत्यापन प्रयागराज विकास प्राधिकरण के कार्यालय से करा लें, जिससे उनके साथ धोखा न हो।

श्री कृष्ण जन्मभूमि विवाद : प्रतिनिधि वाद पर एक ही आपत्ति मिली, हाईकोर्ट में अब सुनवाई 26 को होगी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले की अगली सुनवाई इलाहाबाद हाई कोर्ट में 26 सितंबर को होगी। कोर्ट ने प्रतिनिधि वाद पर पक्षकारों से अगली सुनवाई से पहले आपत्ति दाखिल करने को कहा है। एक वाद में वादी अधिवक्ता ने अपनी आपत्ति दाखिल कर दी है।

प्रयागराज। श्री कृष्ण जन्मभूमि विवाद इलाहाबाद हाई कोर्ट में मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में अगली सुनवाई 26 सितंबर को होगी। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की एकल पीठ ने शुक्रवार को सुनवाई के बाद अगली तिथि नियत कर दी।

कोर्ट ने कहा है कि प्रतिनिधि वाद पर पक्ष अपनी आपत्ति अगली सुनवाई से पहले दाखिल कर दें। वाद संख्या 13 में वादी अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने अपनी आपत्ति दाखिल कर दी है। वाद संख्या सात से वादी संख्या एक का नाम हटाने के लिए बहस हुई।

इस वाद संख्या में अधिवक्ता रीना सिंह ने कोर्ट से कहा कि उन्होंने प्रतिनिधि वाद संबंधी निर्णय को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इसलिए शीर्ष अदालत के निर्णय तक इस मामले में सुनवाई न की जाए। विवादित स्थल के श्रीकृष्ण जन्मभूमि होने का दावा करते हुए सिविल वाद दायर करने वाले वादी संख्या एक और 2,3,4,5 ने एक दूसरे के खिलाफ तर्क दिए।

श्री कृष्ण जन्मभूमि विवाद वाद संख्या तीन में (इसमें आगरा स्थित जामा मस्जिद की सीढ़ियों में श्रीकृष्ण का विग्रह लगाए जाने का दावा है) भारतीय पुरातत्व सर्वे (एएसआइ) ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। हरेराम त्रिपाठी ने प्रतिनिधि वाद का प्रकाशन संपूर्ण भारत में प्रसारित अखबारों में कराने का आग्रह किया। श्री कृष्ण जन्मभूमि विवाद इससे पहले 22 अगस्त को हुई सुनवाई में मस्जिद कमेटी की ओर से सिर्फ प्रतिनिधि वाद पर सुनवाई की मांग की गई थी। कोर्ट ने तब मंदिर पक्ष को आपत्ति दाखिल करने का समय दिया था। उच्च न्यायालय ने 18 जुलाई को वाद संख्या 17 को प्रतिनिधि वाद बनाया है। शाही ईदगाह कमेटी ने प्रतिनिधि वाद पर ही सुनवाई करने और अन्य सभी वादों पर रोक लगाने की मांग की है।

वकीलों ने बोला धावा, कार्मिकों ने बंद किया निदेशालय का गेट

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। बलिया के एक कार्मिक के एरियर भुगतान में देरी से नाराज हाईकोर्ट के वकीलों ने शुक्रवार को शिक्षा निदेशालय पर धावा बोल दिया। घेराव की सूचना पर शिक्षा निदेशालय के कर्मचारियों ने पहले से मुख्य द्वार बंद कर दिया था। गेट पर बहसाबहसी के बीच उप शिक्षा निदेशक विज्ञान अनुराग श्रीवास्तव ने पहुंचकर गेट खुलवाया और वकीलों से वार्ता करने लगे। इस बीच वीडियो बना रहे कुछ कर्मचारियों में से एक का मोबाइल भी छीन लिया गया। इसके बाद वकीलों का प्रतिनिधिमंडल अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक सुरेन्द्र कुमार तिवारी से मिलने पहुंचा लेकिन उनके हाईकोर्ट में होने के कारण भेंट नहीं हो सकी।

नाराज वकीलों ने एडी कार्यालय के सामने ही सभा कर कहा कि हाईकोर्ट ने 2023 में मामले के निस्तारण के आदेश दिए थे लेकिन जब-जब इस संबंध में मिलने जाते हैं तो टालमटोल की जाती है। वकीलों का प्रतिनिधिमंडल यह चेतावनी देते हुए लौट गया कि प्रकरण का निस्तारण नहीं होता तो आंदोलन करेंगे। दोपहर बाद पहुंचे एडी सुरेन्द्र कुमार तिवारी ने वकीलों से फोन पर बात की। एडी सुरेन्द्र कुमार तिवारी का कहना है कि मामले का निस्तारण कर दिया गया है और संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि मंगलवार को भी अर्थ एक अनुभाग में इस सिलसिले में पहुंचे वकीलों से कर्मचारियों की हाथापाई हुई थी जिसका वीडियो बाद में वायरल हुआ था।

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एम.एन.एन.आई.टी.) इलाहाबाद, प्रयागराज में हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा 2025 का शुभारंभ बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर एम.एम. गोरे, कुल सचिव डॉ. अंबक कुमार राय, मुख्य अतिथि आचार्य ललित कुमार त्रिपाठी (निदेशक, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय), सहायक कुल सचिव सत्यजीत कुमार तथा सहायक निदेशक राजभाषा प्रमोद कुमार द्विवेदी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर एम.एम. गोरे ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा मुख्य अतिथि को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य ललित कुमार त्रिपाठी ने हिंदी और संस्कृत भाषा की उपयोगिता बताते हुए कहा कि हमें अपनी भाषा के प्रति गौरव का अनुभव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है और हिंदी राष्ट्रीयता का प्रतीक है। हिंदी संवाद की भाषा है, जिसे संकल्पपूर्वक आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

मंच का संचालन प्रमोद कुमार द्विवेदी ने किया। सहायक कुल सचिव सत्यजीत कुमार ने हिंदी पखवाड़ा 2025 की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि पखवाड़े के अंतर्गत कविता वाचन, भाषण, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, निबंध, सुलेख, प्रश्नोत्तरी, प्रशासनिक शब्दावली तथा हिंदी टंकण प्रतियोगिता जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे। इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन सहायक कुल सचिव सत्यजीत कुमार ने किया। इस अवसर पर संस्थान के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वेतन भुगतान पर कोर्ट के आदेश की अवहेलना, सचिव व सहायक निदेशक को तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सचिव बेसिक शिक्षा, लखनऊ तथा सहायक निदेशक बेसिक शिक्षा, आज़मगढ़ को व्यक्तिगत हलफनामे के साथ 22 सितंबर को अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पूछा है कि याचिकाकर्ता को वेतन भुगतान से संबंधित दो बार पारित आदेशों पर विचार किए बिना मनमाने ढंग से आदेश क्यों दिए गए।

कोर्ट ने कहा कि सहायक निदेशक द्वारा प्रत्यावेदन निरस्त करने के दो आधार - कि याची नियुक्ति के समय नाबालिग था (19 जुलाई 1985) और पद का विज्ञापन नहीं हुआ था - कोर्ट ने अस्वीकार कर दिए थे। इसके बावजूद अधिकारियों ने वही आधार दोहराकर याचिकाकर्ता को न्याय से वंचित क्यों किया। कोर्ट ने इसे आदेश समझने में विफलता बताया और दोनों अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा।

यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने गणेश चौहान की याचिका पर दिया। याची ने बताया कि उसकी नियुक्ति 1985 में श्री ठाकुर जी जूनियर हाईस्कूल, बालकुंडा, आज़मगढ़ में चपरासी पद पर हुई थी। 2 दिसंबर 2006 को विद्यालय को राजकीय वित्तीय सहायता मिली, जबकि 11 जून 2007 को कुछ कर्मचारियों के वेतन भुगतान का अनुमोदन हुआ परंतु याची को छोड़ दिया गया। कोर्ट ने आदेश देकर सहायक निदेशक को याची की सुनवाई कर निर्णय देने को कहा, लेकिन 1 नवंबर 2007 को प्रत्यावेदन निरस्त कर दिया गया। सचिव ने भी 26 फरवरी 2020 को नियुक्ति अवैध बताकर वेतन देने से इंकार कर दिया। कोर्ट ने पाया कि अधिकारियों ने 4 जनवरी 2013 और 13 जुलाई 2017 के आदेशों की अवहेलना की और मनमाने ढंग से याचिकाकर्ता का वेतन रोक दिया। इसे गंभीरता से लेते हुए अदालत ने दोनों अधिकारियों से सफाई मांगी है।

अबू हसन की प्रेमकथा पर आधारित नौटंकी ने समापन समारोह में बाँधा समां

गीत, संगीत और हास्य से सराबोर प्रस्तुति में झलकी लोक शैली की खूबसूरती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय नौटंकी समारोह का समापन शुक्रवार को यादगार बना। उर्मिल कुमार थपलियाल लिखित और दीप शर्मा के निर्देशन एवं परिकल्पना में प्रस्तुत नौटंकी 'अबू हसन' ने दर्शकों का गीत-संगीत और हास्य से भरपूर मनोरंजन किया।

केंद्र प्रेक्षागृह में मंचित इस नाटक ने अरेबियन नाइट्स की कथा को नौटंकी शैली में जीवंत कर दिया। कहानी एक भोले-भाले, गरीब, बेरोजगार युवक अबू हसन की है, जो माली तंगी के बावजूद दोस्तों के साथ मौज-मस्ती और दावत में डूबा रहता है। उसकी आदतों से परेशान विधवा मां उसे समझाती है, लेकिन वह अपने ख्वाबों की दुनिया से बाहर नहीं आता।

कहानी में मोड़ तब आता है जब राज्य का बादशाह वेश बदलकर रियाया की खबर लेने निकलता है और अबू हसन से भेंट होती है। अबू उसे परदेसी समझकर अपने घर लाता है और भरपूर खातिरदारी करता है। बादशाह उसकी मेहमाननवाज़ी से खुश होकर उसकी ख्वाहिश पूछता है। अनजाने में अबू हसन उससे एक दिन की बादशाहत की इच्छा जता देता है। बादशाह उसकी मांग पूरी करने के लिए योजना बनाता है और अबू हसन को महल में बादशाह की तरह बिठाया जाता है।

महल में अबू हसन की मुलाकात बादशाह की मुंहबोली बेटी रौशन आरा से होती है और दोनों के बीच प्रेम पनपता है। लेकिन गरीबी के कारण अबू हसन शादी से इंकार कर देता है। यह देख बादशाह उसे गरीबी से उबारकर अपनी बेटी से विवाह करा देता है।

इस नाटक में गीत, संगीत, नृत्य और हास्य का ऐसा सम्मिश्रण प्रस्तुत हुआ, जिसने दर्शकों को खूब गुदगुदाया। मंच पर कलाकारों की अदाकारी और संवाद अदायगी ने माहौल को जीवंत बना दिया। इस अवसर पर शहर के गणमान्यजन, केंद्र के अधिकारी एवं कर्मचारी व बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे। संचालन अभिजीत मिश्रा ने किया।

प्रयाग खेल महोत्सव सीजन-2 की बैठक में 15 टीमों का हुआ गठन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। 'प्रयाग खेल महोत्सव सीजन-2' कि अहम् बैठक ठा0हर नारायण सिंह ग्रुप ऑफ कॉलेज में निदेशक डॉ0उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुयी, जिसमें मंडल के इंटरमीडिएट स्तर के विद्यार्थियों को विभिन्न खेलों में प्रतिभागिता सुनिश्चित करने आदि मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई । डॉ0उदय प्रताप सिंह ने सभी सदस्यों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि मंडल स्तर पर खेल महोत्सव में प्रतिभाग करने वाले सभी छात्र-छात्राओं तक सभी 15 खेलों की विस्तृत जानकारी पहुचना सुनिश्चित किया जाय । फार्म का वितरण एवं कलेक्शन के लिए 15 टीमों का गठन हुआ, जिन्हें एरिया वाइज दायित्व सौपें गये । बैठक में खेलों का प्रोफार्मा, मानिटरिंग आदि के लिए प्रशासनिक नियम तय किये गये, जिसको प्राचार्य डॉ0अजय कुमार गोविन्द राव ने विस्तार से बताया।

इस बैठक में उप निदेशक विनय प्रताप सिंह, आर0जे0 निमेश और विभिन्न संकायों के विभागाद्यक्ष/आचार्यगण उपस्थित रहें । मीडिया प्रमुख का दायित्व डॉ0अम्बिका पाण्डेय को दिया गया।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

अब नई समय सारिणी में पुणे, कोलकाता व गुवाहाटी की आस

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 के बाद प्रयागराज एयरपोर्ट पर उड़ानों की संख्या लगातार घटती चली गई और तब से अब तक इसे बढ़ाने की नौबत नहीं आई। जनवरी-फरवरी के दो माह तक यहां दो दर्जन शहरों से जुड़ाव थे, मेले की समाप्ति के बाद अधिकांश सेवाएं बंद हो गईं। नतीजा आज सिर्फ सात शहरों से विमान सुविधा है। हालांकि, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ओर से 29 अक्टूबर से लागू होने वाली शीतकालीन समय सारिणी में पुणे, कोलकाता और गुवाहाटी के लिए उड़ानें बहाल होने की उम्मीद बंधी है। एयरपोर्ट सलाहकार समिति के प्रस्ताव पर विमानन कंपनियों से आवेदन मांगे गए हैं और सहमति मिलने पर विमानों का संचालन शुरू हो सकता है।

वर्तमान में प्रयागराज से केवल सात शहरों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, भुवनेश्वर, रायपुर और बिलासपुर के लिए ही सीधी उड़ानें उपलब्ध हैं। इनमें रोज चार से पांच शहरों की विमान सेवाएं मिल रही हैं। रोजाना हर शहर की उड़ानें नहीं है। यह स्थिति और अधिक चिंताजनक है क्योंकि वर्ष 2023 में यहां से 15 शहर जुड़े थे। उड़ानें बंद होने का सिलसिला अक्टूबर 2023 से शुरू हुआ था, जब इंडिगो ने रायपुर, इंदौर और गोरखपुर की उड़ानें समाप्त कीं। मार्च 2024 तक पुणे-प्रयागराज सेवा भी बंद हो गई। एलायंस एयर ने कोलकाता और देहरादून की उड़ानें बंद कर दीं। अकासा एयर ने मुंबई की दूसरी उड़ान को सप्ताह में सिर्फ तीन दिन सीमित कर दिया। एयरपोर्ट सलाहकार समिति के अध्यक्ष सांसद प्रवीण पटेल ने विमानों की संख्या बढ़ाने के लिए संसद में भी मुद्दा उठाया था।

सीआरपीएफ संयुक्त अस्पताल में नेत्र विभाग चर्चा में डॉ. अजीत कुमार दिवाकर बने मरीजों की पसंद

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र परिसर स्थित संयुक्त अस्पताल का नेत्र विभाग इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां तैनात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार दिवाकर न केवल सीआरपीएफ कैंप में रह रहे अर्धसैनिक बल और उनके परिजनों के आंखों से संबंधित रोगों का इलाज कर रहे हैं, बल्कि अपने कुशल व्यवहार और समर्पण से मरीजों का दिल भी जीत रहे हैं।डॉ. दिवाकर मरीजों की समस्याओं को सुनते हैं और नेत्र परीक्षण में पर्याप्त समय देते हैं।

उनकी मेहनत और प्रतिभा के चलते मरीजों के बीच उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। मरीजों का कहना है कि वे न सिर्फ आंखों की बीमारी का सही इलाज करते हैं बल्कि उन्हें मानसिक रूप से भी आश्वस्त करते हैं।

संयुक्त अस्पताल में पिछले कुछ महीनों से डॉ. अजीत कुमार दिवाकर द्वारा लगातार भेंगापन, मोतियाबिंद, नाखुना और पलक पर गांठ जैसी जटिल नेत्र सर्जरियां सफलतापूर्वक की जा रही हैं। यही वजह है कि अब मरीज आंखों के इलाज के लिए बाहर जाने के बजाय कैंप के अंदर ही उनसे संपर्क करना अधिक पसंद कर रहे हैं।नेत्र विभाग को बेहतर बनाने में डॉ. दिवाकर लगातार प्रयासरत हैं। चाहे आंखों की नई दवाएं उपलब्ध कराना हो, आधुनिक मशीनों की व्यवस्था हो या ऑपरेशन थिएटर का नवीनीकरण– हर क्षेत्र में उनका योगदान साफ दिखाई देता है।

अस्पताल के स्टाफ और मरीजों का कहना है कि सेवा करना, मदद करना और आस-पास का माहौल खुशनुमा बनाए रखना डॉ. अजीत कुमार दिवाकर का स्वभाव है। उनकी यही मानवीय संवेदनाएं और पेशेवर दक्षता उन्हें कैंप के लोगों के बीच खास बनाती हैं।

सम्पादकीय

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के फैसले से लेकर आयोग की प्रक्रिया पर उठे कई सवाल, आधार कार्ड व्यक्ति की नागरिकता का पहचान नहीं?

इसमें दोराय नहीं कि किसी भी चुनाव के दौरान स्वच्छ मतदान सुनिश्चित कराना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है और इसके लिए समय-समय पर मतदाता सूची को दुरुस्त करने के मकसद से उसे जरूरी कदम उठाने पड़ते हैं। मगर बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के फैसले से लेकर आयोग की प्रक्रिया पर जितने सवाल उठे, उसने उसकी मंशा को कठघरे में खड़ा किया। यह अपने आप में एक विचित्र फैसला था कि मतदाता सूची में कायम रहने के लिए आयोग ने लोगों के सामने जरूरी दस्तावेज पेश करने के जो विकल्प रखे, उनमें आधार कार्ड नहीं था।

यह दलील दी गई कि आधार कार्ड व्यक्ति की नागरिकता का पहचान नहीं है, इसलिए इसे स्वीकार्य दस्तावेज के रूप में जगह नहीं मिलेगी। नतीजा यह हुआ कि जिनके पास अपने आपको बिहार का निवासी साबित करने के लिए मुख्य दस्तावेज आधार ही था, वैसे तमाम लोगों के लिए मतदाता सूची में अपना नाम बनाए रखना मुश्किल हो गया। जबकि निर्वाचन आयोग ने कुछ ऐसे प्रमाण पत्रों को स्वीकार्य दस्तावेज बताया, जिन्हें बनाने के लिए आधार की जरूरत पड़ती है।

गौरतलब है कि शुरू से इस संबंध में लचर दलील दे रहे निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद अब आखिरकार आधार को एक स्वीकार्य दस्तावेज मान लिया है। आयोग ने बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को कहा है कि मतदाताओं की पहचान स्थापित करने के लिए आधार कार्ड को एक अतिरिक्त दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाए। इसके तहत सूचीबद्ध ग्यारह दस्तावेजों के अलावा आधार कार्ड को बारहवें दस्तावेज के रूप में माना जाएगा।

सवाल है कि अगर अब जाकर आयोग को अपना रुख बदलने का कारण इस संबंध में बने नियम-कायदे हैं, तो आयोग के इससे इनकार करने की क्या वजहें थीं। अगर जुलाई में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के शुरूआती दौर में ही बाकी दस्तावेजों के साथ-साथ आधार कार्ड को भी स्वीकार्य माना जाता तो क्या इस समूचे मसले पर खड़े हुए इतने बड़े विवाद से नहीं बचा जा सकता था? जिन लाखों लोगों के नाम मसविदा मतदाता सूची से बाहर करने की नौबत आई थी, उसका कारण क्या निर्वाचन आयोग का रवैया नहीं था?

गौरतलब है कि इस मुद्दे पर आयोग के अड़ियल रुख की वजह से बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान आधार को छोड़ कर जिन ग्यारह दस्तावेजों को पहचान स्थापित करने के लिए स्वीकार्य बताया गया, उनमें से केवल पासपोर्ट और जन्म प्रमाण पत्र को नागरिकता साबित करने के लिए जरूरी दस्तावेज के तौर पर माना जाता है। सवाल है कि बाकी के नौ अन्य दस्तावेजों के बूते अगर मतदाता की पहचान की जा सकती है, तो आधार कार्ड के सत्यापन से भी किसी के पात्र-अपात्र होने के बारे में भी पता क्यों नहीं लगाया जा सकता? विडंबना यह है कि इस मसले पर अब तक निर्वाचन आयोग ने जिस तरह की जिद ठान रखी थी, उसकी वजह से बहुत सारे लोगों के सामने अपनी पहचान तक साबित करने का संकट खड़ा हो गया था। पहचान और नागरिकता से लेकर अन्य जरूरी दस्तावेज बनवाने तथा उसे सुरक्षित रखने को लेकर गरीब तबके के लोगों की मुश्किलें जगजाहिर रही हैं। ऐसे में पहचान के लिए सत्यापन की प्रणाली को ज्यादा समावेशी और व्यावहारिक बनाने की जरूरत है। इसके अलावा, लोकतंत्र के जीवन के लिए सभी पात्र मतदाताओं के मतदान के मौलिक अधिकार को सुरक्षित और सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग की ही जिम्मेदारी है।

सामाजिक सोच में दहेज की गहरी जड़ें, उत्तर प्रदेश-बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्य दहेज हत्याओं की संख्या में सबसे ऊपर

ऐसा लगता है कि हमारे समाज में दहेज प्रथा लोगों की सोच में गहरे तक समाई हुई है। तमाम नियम-कानूनों के बावजूद इस कुरीति पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पा रहा है। पिछले दिनों एक विवाहिता की आग में झुलस कर हुई मौत की घटना ने भारतीय समाज के सामने एक बार फिर वही कड़वी सच्चाई सामने रखी कि दहेज जैसी प्रथा आज भी है और यह अब भी महिलाओं की जान ले रही है। दहेज से जुड़ी हत्या या उत्पीड़न की घटनाएं जटिल सामाजिक ढांचे का हिस्सा हैं, जो महिलाओं को पुरुषों के समान दर्जा देने के विरुद्ध एक परंपरा की तरह है। दहेज की समस्या पर गंभीर दृष्टि डालें, तो स्पष्ट होता है कि यह केवल कानून और पुलिस का मसला नहीं, बल्कि पूरे समाज की सोच एवं व्यवस्था से जुड़ा सवाल है।

राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, वर्ष 2022 में दहेज हत्या के छह हजार से अधिक मामले दर्ज हुए। यह संख्या वर्षों से लगभग स्थिर बनी हुई है। वर्ष 2017 से 2022 के बीच हर वर्ष औसतन सात हजार मामले दर्ज हुए हैं। यह उन मामलों की गिनती है जो पुलिस तक पहुंचे। वास्तव में यह संख्या कहीं अधिक हो सकती है, क्योंकि कई घटनाएं सामाजिक दबाव या पारिवारिक समझौतों के कारण दर्ज ही नहीं हो पाती हैं। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की कुल संख्या भी भयावह है। वर्ष 2022 में देश भर में चार लाख से अधिक मामले दर्ज हुए। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्य दहेज हत्याओं की संख्या में सबसे ऊपर हैं। ये आंकड़े केवल मृत्यु के हैं, उत्पीड़न और मानसिक हिंसा के मामले इनसे कहीं अधिक हैं।

भारत में दहेज को अपराध घोषित किए हुए छह दशक से अधिक समय बीत चुका है। दहेज निषेध अधिनियम 1961 के अंतर्गत दहेज देने, लेने या मांगने को प्रतिबंधित किया गया है। हाल ही में लागू नई भारतीय न्याय संहिता में भी इन्हें लगभग उसी रूप में शामिल किया गया है। दहेज हत्या में न्यूनतम सात वर्ष और अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है। कागज पर व्यवस्था कठोर है, मगर व्यावहारिक स्थिति बेहद कमजोर है। सबसे बड़ी समस्या दोषसिद्धि की दर है। अदालतों में पहुंचने वाले मामलों में शायद ही एक तिहाई में दोष सिद्ध हो पाता है। अनेक अध्ययनों में दोषसिद्धि की दर बीस फीसद से भी नीचे पाई गई है। दिल्ली और बंगलुरु जैसे महानगरों के अध्ययनों में यह दर काफी कम दर्ज हुई है। इसका कारण यह नहीं कि मामले झूठे हैं, बल्कि साक्ष्य जुटाने और गवाही सुनिश्चित करने में पुलिस और अभियोजन विफल रहते हैं।

दहेज से जुड़ी घटनाएं अधिकतर घरों के भीतर होती हैं और गवाह प्रायः परिवार के ही सदस्य होते हैं। पीड़िता की मृत्यु के बाद गवाही देने वाला अक्सर वही परिवार होता है, जिस पर सामाजिक दबाव और समझौते का बोझ रहता है। गवाह अदालत में पलट जाते हैं, गवाही कमजोर हो जाती है और अभियोजन विफल होता है। विश्व बैंक और अन्य संस्थाओं के अध्ययनों से स्पष्ट है कि बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध से लेकर इक्कीसवीं सदी के आरंभ तक भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 95 फीसद शादियों में दहेज दिया गया। यह परंपरा महिलाओं की स्थिति को गहरे स्तर पर कमजोर करती है, क्योंकि विवाह के अवसर पर परिवार को आर्थिक रूप से झुकना पड़ता है और विवाह के बाद महिला पर उत्पीड़न की तलवार लटकती रहती है।

इस प्रथा का मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी उतना ही गंभीर है। विवाह से पहले ही लड़की के माता-पिता तनाव में रहते हैं। कई बार उन्हें कर्ज लेना पड़ता है, जमीन-जायदाद बेचनी पड़ती है। वर्षों तक कर्ज चुकाना पड़ता है। विवाह के बाद यदि दहेज की उम्मीद पूरी न हो, तो बहू को अपमान एवं हिंसा झेलनी पड़ती है। कभी-कभी मामला आत्महत्या या हत्या तक पहुंच जाता है। महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक स्थिति और पारिवारिक संतुलन इस कुप्रथा से प्रभावित होते हैं। ऐसे मामलों में परिवार प्राथमिकी दर्ज करने में ही हिचकिचाता है, क्योंकि पुलिस अक्सर संवेदनशीलता नहीं दिखाती। यदि प्राथमिकी दर्ज हो भी जाए, तो जांच में देरी होती है, घटनास्थल का वैज्ञानिक निरीक्षण नहीं होता, चिकित्सीय साक्ष्य सही समय पर एकत्र नहीं किए जाते। गवाही में देरी होती है, तारीख पर तारीख मिलती है। पीड़ित पक्ष थक कर हार मान जाता है। गवाह पलट जाते हैं, समझौते हो जाते हैं और अंततः दोषी छूट जाते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में पीड़िता के परिवार की न्याय की उम्मीद धुंधली पड़ जाती है।

कुछ राज्यों में दहेज निषेध अधिनियम को संशोधित करने के प्रयास हुए हैं। उदाहरण के लिए हाल ही में केरल सरकार ने यह प्रस्ताव रखा कि दहेज देने को अपराध न माना जाए, बल्कि केवल मांगने और लेने वालों को कठोर दंड दिया जाए। तर्क यह है कि देने वाले प्रायः दबाव में होते हैं और वे भी कानूनी दायरे में आ जाते हैं। यदि देने वाले पर से अपराध का बोझ हटाया जाए, तो वे अधिक साहस के साथ पुलिस तक पहुंच सकते हैं। हालांकि इस प्रस्ताव पर बहस भी है कि कहीं यह उपहार के नाम पर दहेज को वैध ठहराने का रास्ता न बन जाए।

समाधान केवल कठोर कानून बनाने से नहीं होगा। इसके लिए बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है। सबसे पहले जांच प्रक्रिया को वैज्ञानिक और समयबद्ध बनाना होगा। हर दहेज हत्या को विशेष रूप से दर्ज कर समय पर पोस्टमार्टम, साक्ष्य संकलन और गवाही सुनिश्चित करनी होगी। पुलिस और अभियोजन को जवाबदेह बनाने के लिए समय-सीमा तय करनी होगी। विशेष न्यायालयों का गठन किया जाए, जहां ऐसे मामलों की त्वरित सुनवाई हो। विवाह पंजीकरण और उपहारों का लिखित और डिजिटल रेकार्ड बनाया जाए, ताकि बाद में यह साबित किया जा सके कि कौन-से उपहार स्वेच्छा से दिए गए और कौन से दहेज की मांग पर। इससे मुकदमों में साक्ष्य की समस्या कम होगी।

सबसे गहरी जड़ें तो समाज की मानसिकता में हैं। जब तक यह सोच बनी रहेगी कि बेटा परिवार का सहारा है और बेटी बोझ, तब तक दहेज की मांग बनी रहेगी। इसके लिए शिक्षा व्यवस्था में लैंगिक समानता और महिला अधिकारों को केंद्रीय विषय बनाना होगा। बेटियों को संपत्ति का वास्तविक हिस्सा दिलाना होगा। जब बेटियां संपत्ति और रोजगार में सशक्त होंगी, तभी विवाह बाजार में उनका मूल्य दहेज से नहीं, बल्कि उनकी स्वायत्तता और योग्यता से तय होगा। सामाजिक स्तर पर भी आंदोलन की आवश्यकता है। यदि विवाह को दिखावे और खर्च का मंच न बनाकर सादगी और समानता का उत्सव बनाया जाए, तो दहेज की मांग स्वयं कमजोर होगी। जब तक यह सोच नहीं बदलेगी कि बेटियां समान अधिकार और सम्मान की हकदार हैं, तब तक दहेज प्रथा का अंत संभव नहीं है। हर परिवार को यह संकल्प लेना होगा कि वे न तो दहेज लेंगे और न देंगे। तभी हम एक ऐसा समाज बना पाएंगे, जहां विवाह प्रेम और सम्मान का बंधन होगा, न कि आर्थिक लेन-देन का सौदा।

हमारे किसी काम को नए नजरिए से देखता हैं कोई भी नया व्यक्ति ईमानदार राय मिलना काम को बेहतर बनाने का सबसे कारगर उपाय

कोई काम किया जाए और वह किस स्तर का रहा, उसकी गुणवत्ता क्या रही, उसमें कमियां क्या रहीं, इस पर अगर कोई राय मिले यानी 'फीडबैक' मिले, तो वह काम की गुणवत्ता में सुधार का एक सबसे बेहतर जरिया होता है। इस तरह की राय को हम इस लिहाज से अच्छा मानते हैं कि वह हमें अपने काम में सुधार करने और उससे कुछ बेहतर करने का मौका देती है। हालांकि कुछ लोग अहं के दायरे में सिमटे होते हैं। वे इस तरह की राय को चोट की तरह की देखते हैं। मगर सच यह है कि काम पर ईमानदार राय मिलना काम को बेहतर बनाने का सबसे कारगर उपाय है। हममें से कई लोगों के अनुभव ऐसे भी रहे होंगे कि इससे हमें अपने पेशेवर विकास में भी मदद मिली है। अन्य क्षेत्र में भी यह उतना ही उपयोगी है।

विडंबना यह है कि यह बात बहुत कम लोगों को हजम होती है। राय मिलने को अक्सर लोग नकारात्मक तरीके से लेते हैं। इसके कारण को समझने का प्रयास किया जाए, तो यह शायद हमारी संस्कृति का हिस्सा ही नहीं रही है, इसलिए लोग अपने काम को हमेशा पूरा मानते हैं और इस पर आने वाली राय को आलोचना के रूप में देखते हैं। यही वजह है कि अक्सर लोग राय देने से कतराते हैं। यह स्थिति राय देने और लेने, दोनों के लिए ठीक नहीं है। इसका हर्जाना हम सभी को भरना पड़ता है, क्योंकि इससे अपने कुछ नया सीखने और नया सोचने की संभावना को हम खुद ही खत्म कर देते हैं। जबकि अपने काम पर मिलने वाली राय को एक अवसर की तरह देखना चाहिए।

दरअसल, हमारे किसी काम को कोई नया व्यक्ति अपने और नए नजरिए से देखता हैं। ऐसे में जो बिंदु और विचार अभी तक छूट रहे थे, उन बिंदुओं को वह उसमें शामिल करने की सलाह देता है। इससे हमारा काम और इसकी गुणवत्ता पहले की अपेक्षा और अधिक बेहतर होती है। सवाल है कि इस विकल्प को बंद क्यों करना! जिस तरह हम स्कूल में कई सारी नई बातें सीखते हैं, वैसे हमें यह भी सीखना होगा कि किस तरह से किसी इंसान के जीवन में यह मायने रखता है कि उसे एक व्यक्ति के रूप में और बेहतर बनना है। इसके सहारे व्यक्ति दूसरों के विचारों को सुनना और सम्मान देना सीखता है। हम यह सोचने के स्तर पर लोकतांत्रिक होते हैं कि कोई दूसरा व्यक्ति भी कुछ जानता है और कई दफा हमसे बेहतर जानता है। इस तरह हम समाज के एक संवेदनशील नागरिक बनने की प्रक्रिया में शामिल होते हैं।

यह घर और स्कूल दोनों से ही शुरू होना चाहिए, क्योंकि इसे सीखने के लिए भी समय चाहिए। यह आने वाले समय में दोनों के लिए एक अच्छी प्रक्रिया साबित होगी। अक्सर घर-परिवार में भी यह देखने को मिलता है कि किसी भी तरह की प्रतिक्रिया देने पर बात लड़ाई और मनमुटाव तक पहुंच जाती है। जबकि ऐसा होना नहीं चाहिए। इससे हमारे आपसी संबंध भी खराब होते हैं और हमारा काम भी प्रभावित होता है। अगर हम खुले मन से इसको स्वीकार करें, तो इसका हल किया जा सकता है। पर यह सिर्फ बोलने के लिए होता है। असल में कोई सलाह देता है तो हमें उस व्यक्ति से ही चिढ़ होने लगती है। दरअसल, हमारे यहां व्यक्ति में सुधार से ज्यादा संबंधों की ज्यादा चिंता होती है।

अगर हम वास्तव में किसी के शुभचिंतक हैं या कोई हमारा हित सोचता है, तो वह हमें आगे बढ़ता हुआ देख कर खुश होगा। हमारी कमी और गलतियों के बारे में हमें बताएगा और उसमें सुधार करने की कोशिश करेगा। यह हमारे सीखने की प्रक्रिया एक महत्त्वपूर्ण चरण है। यों भी इंसान जन्म से लेकर मरने तक कुछ न कुछ नया सीखता ही रहता है और सीखना भी चाहिए। यह हमारे आगे बढ़ने और अपना बेहतर रूप सामने लाने में हमारी मदद करता है।

सवाल है कि इस बेशकीमती प्रक्रिया को नजरअंदाज क्यों किया जाए। इसका खुलकर स्वागत और उस अनुरूप सुधार करना चाहिए। रही बात संबंधों की, तो इससे संबंध और मजबूत होने की संभावना बढ़ जाती है। हम सभी अपने आसपास इस तरह के अनुभवों को देखें, तो इससे हमारे रिश्ते मजबूत ही हुए हैं। हां, इसमें समय लग सकता है। एक मुश्किल यह भी है कि कई बार अपनी राय किसी खास काम पर नहीं, बल्कि उसे करने वाले व्यक्ति के बारे में दिया जाने लगता है। इससे बात और बिगड़ जाती है। इसका एक और बड़ा नुकसान यह भी है कि इससे हमारा समाज कुछ नया करने और सोचने से भी कतराने लगता है। एक समाज के तौर पर यह भी हमारे लिए हानिकारक है।

जो नया हम अपने आसपास देख रहे हैं, उसके पीछे उन कुछ झक्की और धुन के पक्के लोगों का योगदान है, जिन्होंने असफल होने या निंदा का डर छोड़कर अपने आप को किसी काम में झोंक दिया और लगातार उस पर मिलने वाली राय या सलाह पर गौर करते हुए उस पर काम करते हैं। हर क्षेत्र में लोग सलाह लेते हैं और उसमें आवश्यक सुधार करते हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियां भी इस काम के लिए अलग सलाहकार टीम को रखती हैं और अपने काम को और बेहतर बनाती हैं। अगर वह ऐसा न करे, तो ज्यादा दिन टिक नहीं पाएगी। यानी यह नियम हर जगह लागू होता है, बस उसे सकारात्मक रूप में लिया जाए। एक बेहतर समाज और एक बेहतर इंसान बनने की प्रक्रिया में यह एक महत्त्वपूर्ण औजार है।

मोदी सरकार का उद्देश्य सिर्फ आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और सामाजिक आंदोलन

कोई भी देश तभी आत्मनिर्भर बन सकता है, जब वह अपनी रोजमर्रा की जरूरतों का सामान खुद बनाए। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना इस दिशा में सबसे जरूरी कदम है। यही वजह है कि दुनिया भर के देश अपने छोटे और कुटीर उद्योगों को मजबूत करने पर जोर देते हैं। देश की समृद्धि तभी संभव है, जब आयात और निर्यात का संतुलन बना रहे और दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता कम हो। आज वैश्विक दबावों के बीच भारत में स्वदेशी को बढ़ाने की बात जोर-शोर से हो रही है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ा और सराहनीय कदम उठाया है जीएसटी की दरों में कटौती। उनका लक्ष्य भारत को आत्मनिर्भर बनाना है, और जीएसटी में राहत छोटे उद्योगों को सस्ता कच्चा माल और कम लागत देकर इस सपने को हकीकत में बदलने की दिशा में एक मजबूत कदम है। मोदी सरकार का उद्देश्य सिर्फ आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और सामाजिक आंदोलन भी है। जब देशवासी स्थानीय उत्पादों को अपनाते हैं, तो वे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं, बल्कि अपने इतिहास, कारीगरी और परंपराओं को भी संजोते हैं। आज, भारतीय उपभोक्ता पहले से अधिक सजग हैं। वे समझते हैं कि हर स्वदेशी खरीदारी एक रोजगार का सृजन करती है और एक आत्मनिर्भर भारत की नींव को और मजबूत करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वदेशी भारत का सपना अब एक नई ऊंचाई की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियानों के बाद अब सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में दी जा रही राहतों के जरिए घरेलू उद्योगों को एक नई उड़ान देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा कुछ आवश्यक घरेलू उत्पादों पर जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा की गई है। इसका सीधा लाभ छोटे और मध्यम दर्जे के स्वदेशी निमार्ताओं को मिलेगा। इससे न केवल उनकी उत्पादन लागत घटेगी, बल्कि उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ेगी। उदाहरण के लिए, हैंडलूम वस्त्र, बांस उत्पाद, घरेलू खिलौने और आयुर्वेदिक दवाओं पर जीएसटी दरों में राहत दी गई है, जो ग्रामीण भारत और पारंपरिक उद्योगों को एक नई ऊर्जा देगी।

जीएसटी की दरों में हालिया बदलाव ने छोटे उद्योगों के लिए नई उम्मीदें जगाई हैं। 2025 में कई सामानों पर जीएसटी की दरें कम की गई हैं। मिसाल के तौर पर, 28 प्रतिशत के स्लैब से कई उत्पादों को 18 प्रतिशत और कुछ को 12 से 5 प्रतिशत तक लाया गया है। इससे उत्पादन की लागत कम होगी, खासकर हैंडीक्राफ्ट्स और लेदर-फुटवेयर जैसे क्षेत्रों में, जहां जीएसटी 12 से घटकर 5 प्रतिशत हो गया है। इसका सीधा फायदा यह होगा कि छोटे कारोबारियों को कच्चा माल सस्ता मिलेगा, उनकी लागत 7-8 प्रतिशत तक कम होगी, और वे बाजार में ज्यादा प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। इस कदम से न सिर्फ उत्पादन सस्ता होगा, बल्कि उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी। इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे टीवी और अन्य सामानों पर जीएसटी 28 से 18 प्रतिशत होने से उनकी कीमतें 7-8 प्रतिशत तक कम हो सकती हैं। इससे लोग ज्यादा खरीदारी करेंगे, खासकर ऑटो, कंज्यूमर गुड्स और एफएमसीजी जैसे क्षेत्रों में। नतीजतन, छोटे उद्योगों की के सामान की बिक्री बढ़ेगी और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

जीएसटी में कटौती का एक और बड़ा फायदा निर्यात के क्षेत्र में दिखेगा। कम टैक्स से भारतीय उत्पादों की कीमतें वैश्विक बाजार में और प्रतिस्पर्धी बनेंगी। खासकर लेदर और फुटवेयर जैसे निर्यात-आधारित उद्योगों को इससे खासा लाभ होगा। ये क्षेत्र लाखों लोगों को रोजगार देते हैं, और इनकी मजबूती से ग्रामीण और छोटे शहरों की अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। हैंडीक्राफ्ट्स जैसे क्षेत्रों में कारीगरों को सस्ता कच्चा माल और बेहतर मुनाफा मिलेगा, जिससे उनकी आजीविका सुधरेगी।

भारत विविधताओं वाला देश है, जहां हर क्षेत्र की अपनी विशेषताएं, कारीगरी, उत्पाद और संस्कृति है, लेकिन वैश्वीकरण के कारण हमारे देश के लोकल उत्पादों की उपेक्षा होती रही है। इस स्थिति को बदलने के लिए भारत सरकार ने वोकल फॉर लोकल का नारा दिया है। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक आंदोलन है जो आत्मनिर्भर भारत की नींव रखता है वोकल फॉर लोकल का अर्थ है स्थानीय उत्पादों के लिए आवाज उठाना और उनका समर्थन करना। इसका उद्देश्य है कि हम देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता दें, उन्हें अपनाएं, और उनके प्रचार-प्रसार में मदद करें ताकि स्थानीय उद्योगों और कारीगरों को प्रोत्साहन मिले।

विदेशी उत्पादों पर निर्भरता को कम कर स्वदेशी उत्पादों को अपनाना भारत को आत्मनिर्भर बना सकता है। जब हम स्थानीय उत्पादों को खरीदते हैं, तो इससे छोटे उद्योगों को बढ़ावा मिलता है और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। हमारे देश की हस्तकला, कपड़ा उद्योग, मिट्टी के बर्तन, और अन्य पारंपरिक उत्पादों को समर्थन मिलता है। देश में ही उत्पादन और खपत से पैसे का प्रवाह देश के भीतर रहता है, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है।

हमें विदेशी ब्रांड्स के पीछे भागने की बजाय भारतीय उत्पादों को अपनाना चाहिए। सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से लोकल उत्पादों का प्रचार करना चाहिए। त्योहारों और अन्य अवसरों पर भारतीय कारीगरों द्वारा बनाए गए सामान का उपयोग करें। उदाहरण के तौर पर आज खादी, हैंडलूम, हस्तशिल्प, आयुर्वेदिक उत्पाद जैसे पतंजलि आदि को अपनाकर लोग वोकल फॉर लोकल को समर्थन दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश का चिकनकारी, कश्मीर का कढ़ाईदार वस्त्र, और राजस्थान की हस्तशिल्प कलाएं सब हमारी लोकल ताकतें हैं।

कुल मिलाकर, जीएसटी सुधार छोटे उद्योगों के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है। यह न केवल उनकी दक्षता बढ़ाएगा, बल्कि टैक्स की जटिलता को भी कम करेगा। हालांकि इससे सरकारी राजस्व में थोड़ी कमी आ सकती है, लेकिन लंबे समय में यह अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा और विकास दर को बढ़ावा देगा। मोदी जी का यह कदम स्वदेशी को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। यह छोटे उद्योगों को नई उड़ान देने का वादा करता है, जिससे न सिर्फ कारोबारी, बल्कि पूरा देश समृद्ध होगा।

भारत भारतीय इंटरमीडिएट कॉलेज में परीक्षा सकुशल संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। गोपीगंज में स्थित भारत भारती इंटरमीडिएट कॉलेज में शुक्रवार को तिमाही परीक्षा सकुशल संपन्न हो गई। परीक्षा बीते सोमवार को दो पालियों में संचालित संचालित हुई। परीक्षा सम्पन्न होने के बाद प्रबंधक माता प्रसाद चौबे ने बच्चों को नियमित स्कूल आने और समय से मेहनत और लगन से पढ़ाई करने की बात कही। परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने में विनोद कुमार सिंह और सलाउद्दीन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। तिमाही परीक्षा देने के बाद छात्र-छात्राओं ने प्रश्न पत्रों में आये सवालों के बारे में बताया कि जो तैयारी की थी उसी के हिसाब से प्रश्न आया था। बच्चों ने कहा कि विद्यालय के अध्यापकों द्वारा बड़े ही अच्छे ढंग से विषयों को पढ़ाया जाता है। इस मौके पर शेखर, सजीवन, राहुल, जीतेन्द्र, प्रवेश, लीला, मनीषा, प्रियंका समेत सभी अध्यापक मौजूद रहे।

मारपीट मामले में गैर इरादतन हत्या के चार अभियुक्त गिरफ्तार व एक वांछित आरोपी की तलाश

कब्जे से घटना में प्रयुक्त आला कत्ल दो अदद लाठी बरामद

रास्ते के विवाद को लेकर आरोपियों ने वृद्ध को किया था घायल, ईलाज के दौरान हुई थी मृत्यु

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। वादिनी श्रीमती मीना देवी पत्नी रामफल निवासिनी उगापुर थाना औराई जनपद भदोही द्वारा थाना औराई पर सूचना दिया गया कि रास्ते के विवाद को लेकर विपक्षीगण लालचंद पुत्र बहादुर, महेंद्र पुत्र लालचंद तथा राजकुमार, कल्लू , अनिल कुमार पुत्रगण स्व0 बैजनाथ समस्त निवासीगण ग्राम उगापुर थाना औराई जनपद भदोही एक राय होकर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देते हुए लाठी-डंडा व मुक्का से मार कर शिकायतकर्ता उपरोक्त के पिता राम मनोहर पुत्र खड़ई उम्र करीब 70 वर्ष को घायल कर दिए।

राम मनोहर को गम्भीर चोट होने के कारण बेहतर ईलाज हेतु ट्रॉमा सेंटर बीएचयू वाराणसी रेफर कर दिया गया। मजरुब के भतीजे द्वारा लिखित सूचना दिया कि ईलाज के दौरान मेरे चाचा

राम मनोहर की मृत्यु प्रातः करीब 8:00 बजे हो गई। सूचना पर तत्समय ही आरोपीगण के विरुद्ध पूर्व में पंजीकृत अभियोग मु0अ0सं0-388/2025 धारा-191(2), 190, 115(2), 352, 351(3), 110 बी.एन.एस में बढ़ोतरी धारा 105 बीएनएस करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास सहित विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई।

अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा मारपीट कर वृद्ध को मृत कारित कर देने की घटना में शामिल अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश के क्रम में दिनांक 11.09.2025 को चौकी प्रभारी उगापुर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा घटना में शामिल/वांछित चार आरोपियों- 1.लालचंद पुत्र बहादुर, 2.महेंद्र पुत्र लालचंद तथा 3.राजकुमार, 4.अनिल कुमार पुत्रगण स्व0 बैजनाथ समस्त निवासीगण ग्राम उगापुर थाना औराई जनपद भदोही को स्टेट बैंक शाखा उगापुर से गिरफ्तार कर, कब्जे से घटना में प्रयुक्त आला कत्ल दो अदद लाठी बरामद करने में सफलता प्राप्त हुई है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों का विधिक कार्यवाही के उपरांत चालान संबंधित न्यायालय किया गया। घटना में शामिल शेष वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली गई

पुलिस कार्यालयों का किया गया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक, भदोही द्वारा पुलिस लाइन, ज्ञानपुर के परेड ग्राउंड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली गई। परेड में पुलिस कार्यालय के विभिन्न शाखाओं के अधि0/कर्मचारीगण, यातायात शाखा, पुलिस लाइन में नियुक्त कर्मचारीगण, डॉग स्क्वाड तथा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षी शामिल रहें। पुलिस कर्मियों को शारीरिक व मानसिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए दौड़ कराया गया। परेड के दौरान अनुशासन, एकरूपता हेतु कराएं जा रहे टोलीवार ड्रिल की कार्यवाही को और प्रभावी बनाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बाद परेड श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा पुलिस लाइन में स्थित कार्यालयों परिवहन शाखा, क्षेत्राधिकार कार्यालय, रेडियो आदि का निरीक्षण किया गया। साप्ताहिक अर्दली रूम के दौरान विभिन्न रजिस्टरों को चेक कर सम्बंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत आयोजित किया गया जागरूकता अभियान

पुलिस अधीक्षक द्वारा छात्रों को जागरुक करते हुए साइबर सेल, महिला सेल, कंट्रोल रूम और अन्य पुलिस कार्यालयों का भ्रमण करने का दिया गया अवसर

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एए) के तहत जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र/छात्रा पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम एक युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्रों को पुलिसिंग और आपराधिक प्रक्रियाओं की जमीनी समझ प्रदान करते हुए छात्रों को पुलिस स्टेशनों, साइबर सेल, महिला सेल, कंट्रोल रूम और अन्य पुलिस कार्यालयों का भ्रमण करने का अवसर दिया गया। इसका उद्देश्य छात्रों को बेहतर नागरिक बनाना, पुलिस आचार संहिता समझाना और उन्हें साइबर अपराध, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बारे में जागरूक करना है। इस कार्यक्रम में काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय और घनश्याम दुबे महाविद्यालय, सुरियावाँ के छात्रों ने भाग लिया। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक जनपद भदोही पुलिस कार्यालय सरपतहा में बच्चों के साथ बातचीत की और राष्ट्रीय साईबर अपराध हेल्पलाईन नंबर 1930, डायल-112 जैसे आपातकालीन नंबरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बच्चों ने अपने अब तक के सीखे हुए अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

थाना प्रभारी निरीक्षक ने आगामी त्यौहार में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए संभ्रांत व्यक्तियों के साथ की बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी बांसी के कुशल पर्यवेक्षण, थाना प्रभारी निरीक्षक शिवनगर डिडई मनोज कुमार श्रीवास्तव द्वारा थाना स्थानीय पर आगामी त्यौहार दुर्गा पूजा व दशहरा के दृष्टिगत ग्राम प्रधान/ धर्मगुरु/दुर्गा प्रतिमा स्थापित करने वाले व्यक्तियों की उपस्थिति में त्यौहार दुर्गा पूजा को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु व शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु थाना स्थानीय पर पीस कमेंटी की मीटिंग की गयी तथा उच्च अधिकारीगण द्वारा दिये गये आदेशो निर्देशो से सभी को अवगत कराया गया।जिसमें राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी, अनिल कुमार कनौजिया, शिव पूजन यादव, रामचंद्र निषाद, ईश्वर चंद चौधरी, अर्जुन चौधरी, धर्मेंद्र कुमार, पंकज उपाध्याय सहित सम्मानित जनता मौजूद रहे।

मारने-पीटने, धमकी व जानबूझकर अपमानित कर प्रताड़ित करने वाला गिरफ्तार

अभियुक्त के मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने कर लिया आत्महत्या

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। वादिनी प्रेमशीला देवी पत्नी शीतला प्रसाद निवासी आनंदडीह थाना दुर्गागंज जनपद भदोही की पुत्री अन्नु पत्नी सुनील कुमार यादव उम्र 38 वर्ष की शादी 13 वर्ष पूर्व सुनील कुमार यादव पुत्र उदयराज निवासी जद्दूपुर थाना दुर्गागंज के साथ हुई थी। अन्नु ने 10.04.2025 ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आकर तालाब में कूदकर आत्महत्या कर लिया। कुछ समय पश्चात परिजनों द्वारा न्यायालय में इस सम्बन्ध में धारा 173(4) बीएनएसएस के अन्तर्गत प्रार्थना पत्र दिया गया। न्यायालय के आदेश पर दिनांक-24.07.2025 को 08 आरोपियों के विरुद्ध थाना दुर्गागंज पर मु0अ0सं0 87/2025 धारा 80(2)/ 85/115(2)/108/352/351(3) बी0एन0एस तथा 3/4 डीपी एक्ट का अभियोग पंजीकृत करते हुए अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही प्रचलित की गई।

अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा उक्त घटना में शामिल अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश के क्रम में स्थानीय पुलिस द्वारा वादिनी की पुत्री को मारपीट व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के वांछित अभियुक्त पति सुनील कुमार यादव पुत्र उदयराज यादव उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम जद्दूपुर थाना दुर्गागंज जनपद भदोही को दुर्गागंज बाजार प्रयागराज रोड से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के उपरांत चालान सम्बंधित न्यायालय किया गया

पीस कमेटी की बैठक सकुशल संपन्न : त्यौहारों में असामाजिक व अराजकता फैलाने वालो पर होगी कठोर कार्यवाही-पुलिस अधीक्षक

आगामी शारदीय नवरात्र, दशहरा, रामलीला आदि त्यौहार/आयोजन परम्परागत ढ़ग से शान्तिपूर्ण व सौहार्द वातावरण में मनाये, दिए दिशा निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। आगामी त्यौहार शारदीय नवरात्रि, दुर्गापूजा/दशहरा, रामलीला, दीपावली, गोबर्धन पूजा, छठ पूजा आदि की तैयारियों के दृष्टिगत आयोजको, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, समाज सेवियों, के साथ थाना परिसर में थाना अध्यक्ष सुरियावा अजीत कुमार श्रीवास्तव ने पीस कमेटी में आयोजको, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, समाज सेवियों, जनता जनार्दन से परिचय प्राप्त करते हुए उनके समस्याओं व सुझावों से अवगत हुए। अधिकारी द्वय द्वारा उक्त त्यौहारों को सकुशल व शान्तिपूर्ण ढ़ग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत सभी बिन्दुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। तथा निर्देशित करते हुए कहा कि रामलीला आयोजको, दुर्गापूजा पण्डाल व्यवस्थापकों, पदाधिकारियों के साथ मीटिंग करते हुए आयोजन स्थल व रूट पर पैदल भ्रमण करते हुए सभी आवश्यक बिन्दुओं को नोट कर उसका तत्काल निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि परम्परागत जो आयोजन जिस रूप में अनवरत चले आ रहे है उसी रूप में होगें। किसी भी नई परम्परा/परिपार्टी की शुरूवात नही होगी। उन्होंने गंगा जमुनी तहजीब के प्रवाहक भदोहीवासियों से सभी पर आपसी प्रेम सौहार्द व भाई चारे के साथ मनाने की अपील की।

जिलाधिकारी ने सभी पूजा पण्डाल आयोजको/व्यवस्थापकों को स्पष्ट निर्देशित किया कि पण्डाल बनाने में कही भी प्लास्टिक, थर्माकोल, पोलिथीन, चमकीली पन्नी, या जल्द आग पकड़ने वाली किसी भी समाग्री का प्रयोग किसी भी कीमत पर नही किया जायेगा। भीड़ के दृष्टिगत प्रवेश व निकासी द्वार अलग-अलग बनाये। फायर सेफ्टी के दृष्टिगत सभी बिन्दुओं को अपनाये।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि जनपद के सभी रामलीला कमेटियों व दुर्गापूजा पण्डाल आयोजको को आयोजन हेतु अनुमति पत्र लेना अनिवार्य होगा। उन्होंने त्यौहारों को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत पुलिस व प्रशासनिक स्तर पर की गयी तैयारियों व सुरक्षा व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में सख्त निर्देश दिए। कोई भी पूजा पण्डाल या धार्मिक आयोजन सर्वाजनिक मार्ग बाधित करके न हो, सर्वाजनिक मार्ग बाधित होने की दिशा में पण्डाल को थोडा इधर-उधर शिफ्ट कर लिया जाए, जिससे आने वाले

दर्शनार्थियों को अवागमन के दृष्टिगत कोई अवरोध न पैदा हो। बारिश के दृष्टिगत पूजा पण्डाल के ऊपर वाटर शेड, विद्युत वायरिंग खुला न हो, पण्डाल के उपर विद्युत तार न हो, पण्डाल के पीछे विद्युत प्रकाश व पानी का ड्रम रखना सुनिश्चित करें। आयोजन स्थलों पर दर्शनार्थियों के आने-जाने का अलग-अलग बैरिकेटिंग हो, हो सके तो महिलाओं के आने जाने के लिए एक अलग क्लोजर की व्यवस्था हो। आयोजक व वॉलेटियर्स आई कार्ड अवश्य पहने, हो सके तो एक अलग डेड्रस कोड पहने जिससे दर्शनार्थियों को कोई समस्या होने पर वालेटियर्स को तत्काल बता सके। विगत वर्षो में आयोजन स्थलों मार्गो, मूर्ति रखने, रामलीला मंचन करने के सन्दर्भ में कोई विवाद हुआ हो तो उसको रोड भ्रमण करते हुए प्रबुद्धजनों के साथ आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रवासियों को भरोसा दिलाया कि प्रशासन व पुलिस आपके सहयोग के लिए तत्पर है। उन्होंने जनपद के सभी डीजे संचालकों को निर्देशित किया कि निर्धारित ध्वनि सीमा तक ही डीजे साउण्ड का प्रयोग करें। नियमों का उल्लघन करने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

थाना अध्यक्ष सुरियावा अजीत कुमार श्रीवास्तव ने दुर्गापूजा आयोजको को सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों से अवगत करते हुए बताया कि कोई भी मूर्ति विसर्जन नदी में न होकर चिन्हित तालाब या नहर में ही सुनिश्चित करें। विसर्जन के समय विद्युत तारो से घटना के सुरक्षा के दृष्टिगत बिजली विभाग व अधिशासी अधिकारी कार्यालय के एक-एक कर्मचारी प्रत्येक थानों से सम्बन्धित रहकर सकुशल शान्तिपूर्ण सम्पन्न करायेंगे।

आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत रामलीला मंचन, दूर्गापूजन पण्डाल, विजयदशमी त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत सभी आवश्यक बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुए आयोजको को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि त्यौहारों में असमाजिक व अराजकता फैलाने वाले तत्वों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जनपद के सभी संवेदनशील स्थलों एवं मिश्रित बस्तियों में लगातार मॉनिटरिंग करते हुए अनवरत संवाद करने का निर्देश दिए। किसी भी सम्भावित स्थितियों की संज्ञानता में तत्काल उच्च अधिकारियों को अवगत कराते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

पीस कमेटी बैठक में पूजा पण्डाल, आयोजकों/व्यवस्थापकों, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, समाज सेवियों, जनता जनार्दन ने आयोजन विषयक समस्या व सुझाव को इगिंत किया

कालीन उद्यमियों और मंत्री राकेश सचान के बीच उद्यम संवाद, टैरिफ की लड़ाई में राहत की बात

तत्काल आर्थिक सहायता से ही कालीन उद्योग को मिलेगी संजीवनी, कालीन निर्यातकों ने सरकार से की मांग

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग, उत्तर प्रदेश राकेश सचान की अध्यक्षता में एवं अपर मुख्य सचिव, एम0एस0एम0ई0 तथा अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग, उ0प्र0 शासन आलोक कुमार, मा.सांसद डॉ0 विनोद बिन्द, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरूद्ध त्रिपाठी, विधायक औराई दीनानाथ भाष्कर, विधायक भदोही जाहिद बेग, जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक, अपर आयुक्त उद्योग राजकमल यादव, चेयरमैन सीईपीसी कुलदीप राज वट्टल, एकमा अध्यक्ष रजा खान, जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, उपायुक्त उद्योग आशुतोष सहाय पाठक की उपस्थिति में ''उद्यमी संवाद'' कार्यक्रम के अंतर्गत कार्पेट एक्सपो मार्ट, भदोही में स्थानीय उद्योगो को निर्यात में आने वाली समस्याओं की जानकारी एवं समाधान हेतु भदोही कार्पेट एसोसिएशन व अन्य स्थानीय उद्योग एसोसिएशन के साथ बैठक सम्पन्न हुआ।

भारतीय कालीन उद्योग, विशेषकर भदोही क्षेत्र, वर्तमान में गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। अमेरिकी बाजार द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के कारण न केवल निर्यात में भारी गिरावट आई है, बल्कि इससे जुड़े लाखों बुनकरों की आजीविका भी संकट में पड़ गई है। कालीन निर्यात सर्वधन परिषद् द्वारा कार्पेट एक्सपो मार्ट में आयोजित बैठक में आए उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री राकेश सचान के समक्ष उद्योग से जुड़े प्रमुख निर्यातकों एवं जनप्रतिनिधियों ने अपनी बात रखी। कालीन निर्माताओं, निर्यातकों, उद्यमियों से संवाद के लिए उद्योग विभाग के मंत्री, अधिकारीगण एक मंच पर मौजूद रहे, और उद्यमियों में रबि पटौदिया, संजय गुप्ता, असफाक अंसारी, असलम महबूब ने सीईपीसी कार्पेट एक्सपोमार्ट में खुलकर उनके सामने अपनी समस्याएं व सुझाव रखा।

सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा 'कालीन उद्योग 30 लाख लोगों को रोजगार देता है। टैरिफ ने इनकी कमर तोड़ दी है। यदि सरकार ने त्वरित निर्णय नहीं लिया तो बुनकरों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा।' विधायक दीनानाथ भाष्कर ने सुझाव दिया 'प्रदेश सरकार को 10 प्रतिशत टैरिफ पर तत्काल सब्सिडी देनी चाहिए। साथ ही बुनकरों को फिक्स बिल पर बिजली आपूर्ति मिलनी चाहिए।'

चेयरमैन सीईपीसी कुलदीप राज वट्टल ने कहा 'भदोही से 62 प्रतिशत कालीन अमेरिका को निर्यात होते हैं । 50 प्रतिशत टैरिफ बढने से शिपमेंट रुक गए हैं, ऑर्डर मिलना बंद हो गया है। उद्योग से जुड़े 20 लाख से अधिक लोगों की रोजी-रोटी खतरे में है। सरकार तत्काल बेलआउट पैकेज दे।' परिषद् के प्रशासनिक समिति के सदस्य संजय गुप्ता ने कहा 'यह उद्योग हमारी सांस्कृतिक विरासत है। यदि आर्थिक संजीवनी नहीं मिली तो उद्योग का अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा।' कालीन निर्यातको ने सरकार से तत्काल वित्तीय सहयोग निवेदन किया जिससे कालीन मेले के आयोजन, और कार्पेट एक्सपो मार्ट के संचालन करने में सहायक हो सके।

उद्यमियों की बाते सुनने के बाद प्रदेश के एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि उद्यमियों से जो सुझाव मिले है उन्हें नीतिगत स्तर पर शामिल किया जायेगा। उद्यम संवाद कार्यशाला के बाद राकेश सचान ने कहा कि उद्यमियों की हर समस्याओं की समाधान किया जायेगा। इसके लिए विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों की पूरी टीम उद्यमियों के बीच मौजूद है व रहेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि 'राज्य सरकार 10 प्रतिशत आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने पर विचार कर रही है और केंद्र सरकार से भी मामले को उठाया जाएगा ताकि कालीन उद्योग पर छाए संकट के बादल दूर हो सकें।' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है। एमएसएमई को ऐसा माहौल दिया जायेगा। जिससे इस क्षेत्र व प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तेसे आगे बढ़ाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि समाधान संवाद कार्य संस्कृति का हिस्सा है। इसे संस्थागत रूप से लागू किया जायेगा। जिससे किसी भी उद्यमी को अगले सघर्ष न करना पड़े। प्रदेश की एमएसएमई इकाईयों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के स्तर पर ले जाना दीर्घकालीक योजना का स्तर है। इसके लिए आधारभूत संरचना में सुधार किया जा रहा है। सरकार बुनकरों के हित के लिए सतत् प्रयत्नशील है। बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता और कार्य प्रणाली को और सरल बनाने की कदम उठाये जा रहे है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एमएसएमई द्वारा छोटे उद्यम को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में लैंड बैंक की स्थापना की जायेगी। इन्फ्रास्ट्रक्चर का डबलप किया जायेगा। गंगा एक्सप्रेसवे से जनपद को जोड़कर कनेक्टविटी को बढ़ाया जायेगा। उत्तर प्रदेश निर्यात व पर्यटन के क्षेत्र में निरन्तर अग्रसर है।

अपर मुख्य सचिव एमएसएमई आलोक कुमार ने कहा कि कालीन उद्यमियों ने जो समस्या उठाई है। उसमें उनका गहन अध्ययन दिख रहा है। इस पर जल्द ही कार्ययोजना बनाई जायेगी। वही अपर आयुक्त उद्योग राजकमल यादव ने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं को खत्म करने पर तेसे कार्य हो रहा है।

चेयरमैन सीईपीसी कुलदीप राज वट्टल ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ की लड़ाई के लिए एक एसयूपी बनाई जाय, इसके लिए जो उद्यमी अमेरिका में माल निर्यात करते हो, उन्हें छूट दी जाय। उन्होंने कहा कि कालीन निर्यातकों का एक पैनल बनाया जाय और रियायती दरों पर एमएसएमई को उनकी सेवाये दी जाय। साथ ही एमएसएमई की एक्जिट नीति भी बने। अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल ने कहा कि भदोही का कालीन उद्योग भारत के सबसे प्रमुख हस्तशिल्प उद्योगों में से एक है, जो प्रति वर्ष 17, 000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित करता है। इसे संरक्षित करना न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए भी आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन एकमा के मानद सचिव पीयूष बरनवाल ने किया।

लव मैरिज से शुरु हुआ प्यार, फिर शक ने बदला मौत का रंग पति ने पत्नी को पत्थरों से पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के हरदोई जिले से एक बहुत ही दुखद खबर आई है। जहां 4 महीने पहले प्यार कर शादी करने वाले युवक ने ही अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी है। यह घटना उस समय हुई जब दोनों के बीच मामूली बात को लेकर झगड़ा हुआ। आरोपी युवक को शक था कि उसकी पत्नी किसी और से मोबाइल पर बात कर रही है, इसी शक के चलते उसने अपनी पत्नी की जान ले ली। हत्या से पहले का एक लाइव वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें वह अपनी पत्नी को पीटते हुए दिख रहा है।

यह घटना हरदोई जिले के टड़ियावां थाना इलाके के अलीनगर मजरे सरंगापुर की है। जहां धर्मेंद्र कश्यप ने 4 महीने पहले ही प्रेम विवाह किया था और दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खाई थीं। शुरुआत में सब ठीक था, लेकिन धीरे-धीरे उनके बीच तनाव बढ़ने लगा। धर्मेंद्र को शक था कि उसकी पत्नी बेबी कश्यप किसी और से मोबाइल पर बात करती है। इस बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था।

गुरुवार को धर्मेंद्र शराब के नशे में घर पहुंचा। वहां उसकी पत्नी से कहासुनी हो गई। इसके बाद धर्मेंद्र ने अपनी पत्नी को पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान उसने लात-घूंसों के साथ ईंट से भी पीटा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस दौरान घर के अन्य लोग भी आए और उन्होंने धर्मेंद्र को मना किया, लेकिन वह नहीं माना और अपनी पत्नी को बेरहमी से मारता रहा। अंत में घर वालों ने उसे रस्सी से बांधकर शांत किया और तुरंत ही पुलिस को सूचना दी। वहीं घर के लोग गंभीर हालत में बेबी को तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक महिला का नाम बेबी कश्यप है। उसके ससुराल वालों का कहना है कि वे शादी के बाद से ही इस घटना से बहुत आहत हैं। मृतका के परिवार ने दहेज हत्या का आरोप भी लगाया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी पति धर्मेंद्र को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। संबंधों में तनाव का कारण मृतका के ससुर ने बताया कि 16 अप्रैल को ही उनकी बेटी की शादी हुई थी। गुरुवार को जब वे बाहर से चारा लेकर लौटे, तो उन्हें पता चला कि धर्मेंद्र अपनी पत्नी को बहुत मार रहा है। वह उसे अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। ससुर ने कहा कि धर्मेंद्र को शक था कि उसकी पत्नी फोन पर किसी और से बात कर रही है, इसी बात को लेकर अक्सर झगड़ा होता था।

पत्नी ने पहले आग लगाने की कोशिश की, फिर लगाई फांसी, पति बनाता रहा वीडियो, खाना लेट बनने पर दंपत्ति में हुआ था झगड़ा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के झांसी में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां खाना लेट बनने को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्साई पत्नी कमरे में जाकर फंदे से लटक गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पत्नी को बचाने का प्रयास करते हुए पति ने पूरी घटना का वीडियो भी बना लिया। पुलिस ने पति द्वारा बनाए वीडियो को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरु कर दी है। वहीं मायके वालों का आरोप है कि अतिरिक्त दहेज के लिए पति द्वारा महिला की हत्या की गई है। उसे काफी लंबे समय से परेशान किया जा रहा था।

मृतका की पहचान शालनी उम्र 28 साल पत्नी गोविंद सिंह परिहार के रूप में हुई है। तकरीबन डेढ़ साल पहले 2024 में दोनों की शादी हुई थी। जेठ भगवान सिंह परिहार के मुताबिक गोविंद अपनी पत्नी और 5 महीने की बेटी संग झांसी के प्रेमनगर थानान्तर्गत बिजौली में रहता था। गोविंद वहीं एक दुकान पर काम करता था। गुरुवार सुबह खाना लेट बनने को लेकर दंपत्ति के बीच झगड़ा

हुआ। विवाद के बाद गुस्साई पत्नी ने पहले पति के लिए खाना बनाया। फिर कमरे में चली गई। पति को शक हुआ तो वह पीछे से पहुंचा लेकिन तब तक शालनी दरवाजे की कुंडी लगाकर अपने ऊपर मिट्टी का तेल डालने लगी, फिर पंखे से फांसी लगाने का प्रयास करने लगी थी। पति गोविंद ने उसे रोकने की कोशिश करते हुए पूरी घटना का वीडियो बना लिया। हालांकि वह पत्नी को नहीं बचा सका। जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

वहीं शालिनी की मां शकुंतला का कहना है कि गोविंद बेटी को मारता था। बेटी से लगातार रुपयों की मांग करता था। मांग पूरी न होने पर उसे परेशान करता था। उन्होंने कहा कि हम गरीब आदमी हैं, हम रुपए कहां से दे देते। इसी कारण उसने बेटी को मार डाला। बेटी से रात में बात हुई थी तो उसने बताया कि पति झगड़ा कर रहा है, पैसों की मांग कर रहा था। शालिनी की मां शकुंतला ने बताया कि गोविंद ने अभी कुछ दिन पहले मारपीट कर बेटी को भगा दिया था। इसके बाद फिर बुला लिया था। साथ ही फोन पर तालाक के कागज मांगते हुए 5 लाख रुपयों की मांग की जा रही थी।

मामले के बारे में जानकारी देते हुए प्रेमनगर थाना प्रभारी रवि श्रीवास्तव ने फोन पर बताया कि प्रथम दृष्टता सामने आया है कि सुबह खाना बनाने को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। झगड़े में मृतका ने मिट्टी का तेल अपने ऊपर डालकर सुसाइड करने का प्रयास किया था। इसके बाद फांसी लगा ली। पति ने बचाने का प्रयास करते हुए घटना का वीडियो बनाया था। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मॉर्चरी भेजकर मामले की छानबीन शुरु कर दी गई है।

योगी सरकार एक विशेष समाज को चिन्हित कर मरवा रही है- बीजेपी कार्यकर्ता की पुलिस पिटाई से मौत पर बोल अजय राय

ग़ाज़ीपुर **(एजेंसी)**। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय आज गाजीपुर के नोनहरा थाना क्षेत्र के रुकूनुद्दीनपुर गांव पहुंचे जहां पर एक दिन पूर्व पुलिस की पिटाई से भाजपा कार्यकर्ता का मौत हुआ था आज उस परिवार से मिलकर अजय राय ने ढांढस बंधवाया। उन्होंने कहा कि सियाराम उपाध्याय के परिवार से मिला। वह निहायत गरीब परिवार है उनके बड़े भाई ट्रक चलने का काम करते हैं। पुलिस ने जिस तरह से दौड़ा-दौड़ा का और लाइट बंद कर कर मारा है तो आम जनता की क्या स्थिति होगी आप समझ सकते हैं। मृतक भाजपा के कार्यकर्ता भी रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कल प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी में थे जिसमें पूरे भारतीय जनता पार्टी के पूरे देश के मंत्री और नेता शामिल हुए थे। देश के ना ही कोई मंत्री और ना ही कोई सरकार का नुमाइंदा इनसे मिलने के लिए आया ताकि उनकी कुछ मदद हो सके। अभी सिर्फ खानापूर्ति की गई है कुछ लोगों को हटाया गया कुछ लोगों को सस्पेंड किया गया है उन्होंने इस दौरान कहा कि यह सीधे-सीधा हत्या का मामला है और हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए। इन लोगों को जेल होना चाहिए और मृतक परिवार को एक करोड रुपए का मुआवजा और उनके भाई को सरकारी नौकरी मिलनी चाहिए। वहीं कांग्रेस पार्टी कानूनी मदद के लिए यहां से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक इनके साथ है।

उन्होंने कहा कि धरना भाजपा कर रहा हो या किसी आप किसी भी आम आदमी को इस तरह से जान से मार देंगे। कि घटना से भाजपा का मानसिकता नजर आ रहा है यह व्यापारियों की सरकार चल रही है। कार्यकर्ताओं की नहीं है पिछले दिनों लखनऊ में विद्यार्थी परिषद के ऊपर लाठीचार्ज किया और दौड़ा-दौड़ा का मारा विद्यार्थी परिषद की बात करें तो यह आरएसएस का मूल संगठन है और हम भी उसमें काम किए हैं।

यह पूरी सरकार अत्याचारी है और योगी सर जी विशेष रूप से एक समाज को चिन्हित करवा कर उसे मरवा रहे हैं जाए वह गोरखपुर का मामला हो लखनऊ का हो या फिर गाजीपुर का हो। पुलिस अधीक्षक के बयान को लेकर कहा कि उन्होंने कहा कि जांच की जा रही है जांच किस बात की जब वीडियो में साफ-साफ दिख रहा है की लाठीचार्ज पुलिस वालों के द्वारा किया जा रहा है।

मजदूर की संदिग्ध मौत से हड़कंप, न्याय के लिए सहयोगियों ने सड़क जाम की

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के नोएडा में एक निर्माण स्थल पर श्रमिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के एक दिन बाद, उसके सहयोगियों ने शुक्रवार सुबह मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क पर जाम लगा दिया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि झारखंड के दुमका निवासी राजेश (41) सेक्टर-51 स्थित एक निर्माण स्थल पर 'फिटर' का काम करता था। बृहस्पतिवार रात उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उन्होंने कहा, ''मौत का कारण स्पष्ट न होने के कारण पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।'' प्रवक्ता ने बताया कि इस घटना के बाद आज सुबह राजेश के सहयोगी सेक्टर-32 के पास इकट्ठा हो गए और एलिवेटेड रोड के नीचे जाम लगा दिया जिसकी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बीजेपी की अंदरूनी लड़ाई का फल आम कार्यकर्ता क्यों भुगते, गाजीपुर नोनहरा कांड पर बोले अखिलेश

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गाजीपुर जिले के नोनहरा थाने में हुए पुलिस के कथित लाठीचार्ज को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा कि आपसी और अंदरूनी लड़ाई का ख़ामियाज़ा कोई भी क्यों भुगते।

अखिलेश यादव ने पोस्ट कर कहा, 'अब तक उप्र भाजपा सरकार की पुलिस 'हिरासत में मौत' का जो रिकॉर्ड-पर-रिकॉर्ड बना रही थी, अब उसका शिकार सत्ताधारी दल के अपने लोग भी होने शुरू हो गये हैं। अब जब अपने लोग मारे गये तो भाजपाइयों को इतने सालों से मारे जा रहे लोगों का दर्द समझ आया है। उन्होंने कहा है कि हर मृतक किसी भी दल से पहले देश का नागरिक है और एक मानव भी, ऐसी हर मौत के लिए पुलिस की घोर निंदा करनी चाहिए और उससे भी ज़्यादा उन लोगों की जिन्होंने ऐसे कुकृत्यों को बढ़ावा दिया है। यह भी कहा कि सवाल ये भी है कि उप्र की पुलिस को भाजपा और उनके संगी-साथियों व अन्य आनुषंगिक संगठनों पर प्रहार करने के पीछे कौन है। आपसी और अंदरूनी लड़ाई का ख़ामियाज़ा कोई भी क्यों भुगते।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के नोनहरा थाना में हुए कथित पुलिस लाठीचार्ज में एक भाजपा कार्यकर्ता की मौत के मामले

में गाजीपुर पुलिस अधीक्षक ने 11 पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर इराज राजा ने कहा कि थाना नोनहरा से सम्बंधित प्रकरण में कुल 11 पुलिस कर्मियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई । जिसमें प्रभारी निरीक्षक नोनहरा सहित 01 उप निरीक्षक, 01 मुख्य आरक्षी व 03 आरक्षियों को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया है। इसके अलावा अन्य पुलिसकर्मियों (02 उपनिरीक्षक व 03 आरक्षी) को लाइन हाजिर किया गया है। मृतक सियाराम उपाध्याय उफर् जोखू (35), रुकुंदीपुर गांव का निवासी था। मंगलवार रात नोनहरा थाना परिसर में धरने के दौरान कथित तौर पर घायल होने के बाद, गुरुवार तड़के लगभग 3 बजे उसकी मौत हो गई।

सिक्किम में लैंडस्लाइड से 4 लोगों की गई जान, 3 लापता, मौसम विभाग ने दी भारी बारिश की चेतावनी

यांगथांग **(एजेंसी)**। सिक्किम के यांगथांग निर्वाचन क्षेत्र में बीती रात हुए एक भयंकर भूस्खलन ने तबाही मचा दी है। अपर रिम्बी में भारी बारिश के बाद पहाड़ दरकने से मलबा और पानी बहने लगा जिसकी चपेट में आकर 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 3 लोग लापता हैं। स्थानीय ग्रामीण और एएँ (सशस्त्र सीमा बल) कर्मी मिलकर लापता लोगों की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं।

एसपी गैजिंग शेरिंग शेरपा ने बताया कि भूस्खलन के कारण ह्यूम नदी में अचानक बाढ़ आ गई जिससे नदी ने अपना रास्ता बदल दिया और कई घरों को बहा ले गई। हादसे में दो महिलाएं घायल हो गईं जिन्हें ग्रामीणों ने पेड़ों की लकड़ियों से एक अस्थायी पुल बनाकर सुरक्षित बाहर निकाला। उन्हें तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया लेकिन एक महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दूसरी महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार पूर्वोत्तर राज्यों में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है जिसके चलते भारी बारिश का सिलसिला जारी है। उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और सिक्किम पर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है जिससे अगले कुछ दिनों तक मौसम खराब रहेगा।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने किया बड़ा ऐलान : प्राकृतिक आपदाओं और गोलीबारी पीड़ितों के लिए 'सुरक्षित भविष्य' की योजना

जम्मू **(एजेंसी)**। हाई-रेंज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी (एचआरडीएस इंडिया) ने आज जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन सिंदूर और हाल ही में आई बाढ़ के दौरान क्षतिग्रस्त हुए घरों के निर्माण के लिए जम्मू के संभागीय आयुक्त और कश्मीर के संभागीय आयुक्त के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

यह उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की पहल है और प्राकृतिक आपदाओं और दुश्मन द्वारा नागरिक आबादी पर अकारण गोलाबारी से प्रभावित लोगों के भविष्य को सशक्त बनाने और सुरक्षित करने के उनके दृष्टिकोण को दर्शाती है। राजभवन में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता उपराज्यपाल ने की। उन्होंने एचआरडीएस इंडिया के इस नेक प्रयास की सराहना की।

एचआरडीएस इंडिया पूरे केंद्र शासित प्रदेश में 1500 निःशुल्क घर बनाएगा। इन 3-बेडरूम वाले घरों को 'स्मार्ट हाउस' के रूप में डिज़ाइन और निर्मित किया जाएगा, जिसमें आराम और सुरक्षा के लिए आधुनिक सुविधाएँ शामिल होंगी।

उपराज्यपाल ने कहा, 'घरों का निर्माण केवल ढाँचा खड़ा करने से कहीं अधिक है। यह प्रभावित परिवारों के सपनों को साकार करने, एक नई शुरुआत करने और उनके जीवन में एक नया अध्याय जोड़ने के बारे में है। मानवीय क्षति इतनी गहरी और विनाशकारी है कि

उसका आकलन नहीं किया जा सकता, लेकिन यह पहल निश्चित रूप से उनके दुखों को कम करेगी।'

इस पहल के तहत, एचआरडीएस इंडिया और दोनों संभागों के संभागीय आयुक्त उन आतंकवाद पीड़ित परिवारों की भी पहचान करेंगे जिनके घर आतंकवादियों ने नष्ट कर दिए थे। परिवार के सभी सदस्यों को 15 साल का जीवन बीमा कवरेज देने के अलावा, एचआरडीएस इंडिया हर घर के लिए मासिक स्वास्थ्य जांच और डिजिटल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। अपनी विस्तारित प्रतिबद्धता के तहत, एचआरडीएस इंडिया, बीएसएनएल के सहयोग से, शिक्षा, संचार और डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने के लिए सभी लाभार्थी परिवारों को मुफ्त इंटरनेट सुविधा प्रदान करेगा।

प्रशिक्षित एचआरडीएस इंडिया स्वयंसेवक लाभार्थियों से संबंधित नई सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रसारित करने के लिए मासिक रूप से प्रत्येक लाभार्थी परिवार का दौरा करेंगे। वे स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और निवारक देखभाल पर मुफ्त जागरूकता सत्र आयोजित करेंगे।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह के दौरान उपराज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. मंदीप के. भंडारी, जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार, कश्मीर के संभागीय आयुक्त अंशुल गर्ग, एचआरडीएस इंडिया के संस्थापक-सचिव अजी कृष्णन, प्रशासक सुसरिता पी मेनन, कॉर्पोरेट प्रायोजन निदेशक स्वराज कुमार जी और एचआरडीएस इंडिया के ग्लोबल इनिशिएटिव्स के अध्यक्ष संजीव भटनागर उपस्थित थे।

शिंदे शिवसेना ने संजय राउत पर देश को अस्थिर करने का आरोप लगाया

सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती को एक ज्ञापन सौंपकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के खिलाफ कथित भड़काऊ बयानों के लिए कड़ी कार्रवाई की मांग की। भारती से मिले शिवसेना प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि राउत ने नेपाल में हाल ही में हुई हिंसा का एक वीडियो प्रसारित करके और भारत में भी ऐसी ही अशांति होने की चेतावनी देकर अराजकता भड़काने और अप्रत्यक्ष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धमकी देने का प्रयास किया है।

प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, ऐसी टिप्पणियां न केवल भड़काऊ हैं, बल्कि समाज में भय और अस्थिरता पैदा करने के इरादे से भी हैं। शिवसेना के राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा ने कहा कि आज एकनाथ शिंदे के निर्देश पर शिवसेना के शीर्ष नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल मुंबई पुलिस कमिश्नर से मिला और यूबीटी सांसद संजय राउत के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विपक्षी दलों द्वारा देश भर में एक बड़ी और बेहद खतरनाक साजिश रची जा रही है... यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और खतरनाक है कि मुंबई से लेकर दिल्ली तक के नेता भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए, हमने मुंबई के पुलिस कमिश्नर से ऐसे तत्वों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की अपील की है।

वहीं, शिवसेना नेता संजय निरुपम ने नेपाल में जारी नागरिक अशांति के सिलसिले में सोशल मीडिया पर ''देश-विरोधी'' टिप्पणी करने के लिए शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की मांग की। वर्सोवा पुलिस को लिखे एक पत्र में, निरुपम ने आरोप लगाया कि राउत ने कहा था कि इसी तरह की अशांति भारत में भी फैल सकती है। निरुपम ने कहा, ''इस तरह के बयान का मकसद नागरिकों में भय पैदा करना है और ऐसी टिप्पणी देश के हितों के खिलाफ बयानबाजी के समान है। राउत की टिप्पणी असंवैधानिक, खतरनाक और अस्थिरता को बढ़ावा देने वाली है। पुलिस को राउत के खिलाफ उनकी देश-विरोधी टिप्पणी के लिए आपराधिक मामला दर्ज करना चाहिए।''

पति की पुलिस से गुहार

मेरी पत्नी के अवैध संबंध, काम पर जाते ही घर आता है प्रेमी, इन्हें एक करवा दो

सिंगरौली **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक पति अपनी पत्नी की प्रताड़ना से इतना परेशान हो गया कि उसने पुलिस के सामने अजीबोगरीब गुहार लगा दी। पति ने आवेदन देकर कहा कि उसकी पत्नी का किसी और से प्रेम संबंध है, इसलिए उसे जान का खतरा है। बेहतर होगा कि पुलिस उसकी पत्नी की उसके प्रेमी से शादी करवा दे।

मामला बैढ़न थाना क्षेत्र का है। युवक ने अपनी पत्नी के खिलाफ पुलिस को आवेदन दिया है। इसमें उसने बताया कि पत्नी का उत्तर प्रदेश निवासी राजेश कुमार वर्मा से अवैध संबंध है। चार साल पहले ही उसे इस बारे में पता चल चुका था। पति ने कई बार समझाने की कोशिश की, लेकिन पत्नी नहीं मानी। विरोध करने पर वह मारपीट करती है और जान से मारने की धमकी भी देती है।

युवक और महिला की शादी साल 2008 में हुई थी। दोनों के चार बच्चे हैं, 16 साल का बेटा और तीन बेटियां जिनमें सबसे छोटी 14 साल की है, जबकि दो जुड़वां बेटियां 11 साल की हैं। बताया गया कि गुरुवार को पत्नी का प्रेमी राजेश उससे मिलने सिंगरौली पहुंचा था। इस दौरान बेटे ने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट भी हुई।

पीड़ित युवक मूल रूप से बैढ़न का रहने वाला है। करीब 10 साल पहले पत्नी को लेकर सिंगरौली आ गया था और यहां एक निजी पावर प्लांट में नौकरी करने लगा। पुलिस ने युवक का आवेदन लेकर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

भगवाकरण पर स्टालिन का हल्ला बोल, 'ओरानियिल' से 10 लाख परिवार जुड़े, केंद्र पर सीधा निशाना

चेन्नई **(एजेंसी)**। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के दस लाख से ज़्यादा परिवार पार्टी के आउटरीच अभियान ओरानियिल तमिलनाडु में शामिल हो चुके हैं। डीएमके की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, 'ओरानियिल तमिलनाडु राज्य की भूमि, भाषा और सम्मान की रक्षा के लिए समर्पित एक पहल है। सोशल मीडिया पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 सितंबर को, जो पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय सीएन अन्नादुरई की जयंती है, लोग ज़िले भर के 68, 000 से ज़्यादा बूथों पर इस अभियान का समर्थन करने का संकल्प लेंगे।

तमिलनाडु के नेता, महान विद्वान अन्ना की जयंती (15 सितंबर) पर, ये सभी एकजुट होकर, ज़िले भर के 68, 000 से ज़्यादा बूथों पर यह संकल्प लेंगे।' स्टालिन ने तमिलनाडु की ज़मीन और लोगों की सुरक्षा के लिए इस कार्यक्रम की शुरुआत की है, जिसमें उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया है कि केंद्र सरकार ने लोगों के कल्याण और उनकी संस्कृति के खिलाफ़ काम किया है और राज्य को पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराने में विफल रही है। जनता तक यह संदेश पहुँचाने के लिए, डीएमके ने अपना राज्यव्यापी संपर्क अभियान ओरानियिल तमिलनाडु शुरू किया है।

1 जुलाई से शुरू हुआ यह अभियान सभी ज़िलों में सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है और अभी भी जारी है। 20 और 21 सितंबर को, इस कार्यक्रम में डीएमके की ज़िला-स्तरीय बैठकें शामिल होंगी। पूरे तमिलनाडु में कई जनसभाएँ आयोजित की जाएँगी और मुख्यमंत्री स्टालिन अंतिम बैठक में भाग लेंगे और समापन भाषण देंगे। गौरतलब है कि डीएमके के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में प्रस्तावित त्रिभाषा नीति का विरोध किया है, जिसमें तीन भाषाओं को पढ़ाने की सिफारिश की गई है।

त्रिभाषा विवाद ने 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन को लेकर केंद्र और तमिलनाडु सरकार के बीच गतिरोध पैदा कर दिया है। डीएमके सरकार ने त्रिभाषा नीति को 'भगवाकरण नीति' करार दिया है, जिसका उद्देश्य भारत के विकास के बजाय हिंदी को बढ़ावा देना है। डीएमके सरकार राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के विरोध में भी मुखर रही है।

वह खेल को पूरी तरह से बदल सकते हैं : पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने भारतीय ऑलराउंडर की तारीफ की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ अक्सर भावनाएं हावी हो जाती हैं, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ का मानना है कि इसी कमी के कारण उन्हें हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण मैच गंवाने पड़े हैं। राजनीतिक तनाव के कारण दोनों पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट एक दशक से भी ज्यादा समय से स्थगित है जिससे उनके मुकाबले आईसीसी और एसीसी प्रतियोगिताओं तक ही सीमित हैं। पिछले 10 सालों में यह प्रतिद्वंद्विता काफी हद तक एकतरफ़ा रही है, जिसमें भारत ने 15 में से 12 मैच जीते हैं।

लतीफ ने कहा, 'हम भावुक या अति उत्साहित हो जाते हैं और एक ही बार में सब कुछ करने की कोशिश करते हैं। हम भारत के खिलाफ मैच को ज्यादा आगे नहीं ले जाते और इसी वजह से पाकिस्तान ज्यादातर हार जाता है।' पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ने आगे कहा, 'दूसरी ओर, भारत पिच और मैच की स्थिति के अनुसार खेलता है और इसीलिए वे सफल होते हैं।'

दोनों देश रविवार को दुबई में एशिया कप के ग्रुप ए मैच में एक-दूसरे के खिलाफ अपनी प्रतिद्वंद्विता फिर से शुरू करेंगे। लतीफ का मानना है कि हार्दिक पांड्या के फिनिशिंग कौशल, सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन द्वारा प्रदान किया गया संतुलन और जसप्रीत बुमराह की बेजोड़ सटीकता के साथ भारत की संयम बनाए रखने की क्षमता, उन्हें इस समय एक पूर्ण टीम बनाती है। लतीफ ने कहा, 'हार्दिक पांड्या एक खतरनाक खिलाड़ी हैं। मध्यक्रम के खिलाड़ी या नीचे आने वाले खिलाड़ी खेल को बदल सकते हैं। पांड्या ने ऐसा एक बार नहीं, बल्कि कई बार किया है, जो अद्भुत है और इसीलिए उन्हें एक्स-फैक्टर कहा जाता है। वह खेल को पूरी तरह से बदल सकते हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और सूर्य कुमार यादव जैसे खिलाड़ी संतुलन लाते हैं, गेंदबाजी में बुमराह एक बड़ी संपत्ति हैं। कुल मिलाकर, यह एक बहुत अच्छी टीम है।'

लतीफ के लिए बुमराह अभी भी वह गेंदबाज हैं जो मुकाबलों को पलट सकते हैं। उन्होंने कहा, 'जहां तक गेंदबाजी की बात है, सटीकता ज्यादा है। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारतीयों का धैर्य और कौशल खेल के दौरान बेहतर प्रदर्शन करता है।' मेलबर्न में 2022 के टी20 विश्व कप में विराट कोहली के नाबाद 82 रनों ने भारत को मुश्किल से बाहर निकालकर अंतिम गेंद पर चार विकेट से जीत दिलाई। एक साल बाद एशिया कप में भारत ने कोलंबो में पाकिस्तान को 228 रनों से हरा दिया, लेकिन उनका सुपर 4 मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। अमेरिका में 2024 के टी20 विश्व कप में बुमराह के तीन विकेटों ने छह रनों से जीत सुनिश्चित की, क्योंकि भारत सिर्फ 119 रनों का बचाव कर पाया।

इस बीच पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में मुश्किल स्पिन पिचों पर त्रिकोणीय श्रृंखला खेलकर आया है, और लतीफ का मानना है कि यह अनुभव उन्हें जल्दी से अनुकूलन करने में मदद कर सकता है। नए कप्तान सलमान अली आगा के नेतृत्व में टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं, लेकिन एक ऐसा मुख्य समूह भी है जिसने इस दशक की शुरुआत में पदार्पण किया था। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम वही है। मैं कह सकता हूं कि तीन नए खिलाड़ी हैं। सलमान अली आगा, जो हाल ही में आए हैं। सैम अयूब का 2024 में पदार्पण। हसन नवाज। बाकी खिलाड़ी 2021, 2018 और 2016 के हैं। लतीफ ने कहा, 'हमारे पास एक नया कप्तान भी है और आप कह सकते हैं कि पाकिस्तान को बढ़त हासिल है।'

उन्होंने युवा बल्लेबाज हसन नवाज को भी भारत को झकझोरने वाला एक और बल्लेबाज बताया। उन्होंने कहा, 'हसन नवाज एक खतरनाक खिलाड़ी हैं और खराब गेंद का इंतजार नहीं करते। अगर वह अच्छी गेंद डालते हैं, तो गेंदबाज दबाव में आ जाता है।'

हांगकांग ओपन : सात्विक-चिराग ने किया कमाल टूर्नामिंट के सेमीफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के बैडमिंटन स्टार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने हांगकांग ओपन में कमाल कर दिया। देश की नंबर मेंस डबल्स जोड़ी ने टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। दोनों ने एक घंटे से ज्यादा समय तक चले मुकाबले में मलेशिया के जुनाइदी आरिफ और रॉय किंग याप को मात दी। टूर्नामेंट में आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 12 सितंब को ये मैच 21-14, 20-22, 21-16 से जीता।

सात्विक और चिराग ने पहले और तीसरे गेम में अपना दबदबा बनाए रखा। दूसरे गेम में भी वे पिछड़ने के बाद लगातार चार अंक जीतकर स्कोर को 20-20 पर ले आए लेकिन चिराग की एक गलत सर्विस ने मलेशियाई जोड़ी को मौका दे दिया और वे दो अंकों के अंतर से ये गेम जीत गए। सात्विक और चिराग के लिए सेमीफाइनल तक का सफर आसान नहीं था।

इससे पहले 11 सितंबर को दोनों ने थाईलैंड के पीराचई सुकपुन और पक्कापोन टीरारात्सकुल को 18-21, 21-15, 21-11 से हराया था। थाई जोड़ी ने पहले गेम में कड़े नेट खेल और मजबूत डिफेंस से भारतीयों को चौंका दिया था लेकिन वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडल विजेता सात्विक-चिराग ने दूसरे गेम में अपनी आक्रामकता बढ़ाई और मैच पर पकड़ बना ली।

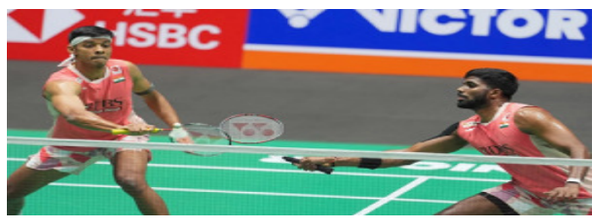

निचले स्तर से उबरा रुपया डॉलर के मुकाबले हुआ मजबूत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अमेरिकी डॉलर सूचकांक में कमजोरी और घरेलू बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच शुक्रवार को भारतीय रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरकर सात पैसे की बढ़त के साथ 88.28 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू मुद्रा एक सीमित दायरे में रहते हुए अपने सर्वकालिक निचले स्तर के आसपास ही रही। भारत के निर्यात पर अमेरिकी शुल्क से जुड़े दबावों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी से निवेशक धारणा प्रभावित हुई।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.39 प्रति डॉलर के भाव पर खुला और सत्र के दौरान 88.42 के निचले स्तर तक गिर गया। हालांकि कारोबार के अंत में यह थोड़ा सुधरकर अपने पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त के साथ 88.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपया बृहस्पतिवार को 24 पैसे गिरकर 88.35 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इसने डॉलर के मुकाबले 88.49 के अब तक के सबसे निचले स्तर को भी छुआ था।

मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक (मुद्रा एवं जिंस) अनुज चौधरी ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि अमेरिकी डॉलर में समग्र कमजोरी और अगले हफ्ते होने वाली फेडरल रिजर्व समिति की बैठक में दर कटौती की बढ़ती संभावनाओं के चलते वैश्विक बाजारों में जोखिम उठाने की क्षमता

बढ़ने से रुपया थोड़े सकारात्मक रुख के साथ कारोबार करेगा।' चौधरी ने कहा, 'बाजार 2025 में ब्याज दरों में कुल 0.75 प्रतिशत कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी और भारत एवं अमेरिका के बीच व्यापार शुल्क के मुद्दों पर अनिश्चितता के कारण रुपए में तीव्र सुधार पर अंकुश लग सकता है।'

उन्होंने कहा कि डॉलर-रुपए का हाजिर भाव 88 से 88.50 के बीच रहने की उम्मीद है। इस बीच, छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 प्रतिशत बढ़कर 97.74 पर पहुंच गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.65 प्रतिशत बढ़कर 66.80 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 355.97 अंक उछलकर 81, 904.70 पर बंद हुआ जबकि निफ्टी 108.50 अंक चढ़कर 25, 114 अंक पर रहा।

हरभजन सिंह ने भारत-पाक मैच पर रखा अपना पक्ष लीजेंड्स लीग का किया जिक्र

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व भारतीय ऑफ-स्पिनर हरभजन सिंह ने क्रिकेट के मैदान पर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले से पहले दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों में सुधार की अपील की। उनकी यह टिप्पणी रविवार को दुबई में होने वाले बहुप्रतीक्षित एशिया कप मुकाबले से पहले आई है। भारत और पाकिस्तान 14 सितंबर को दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एशिया कप 2025 के ग्रुप-स्टेज मुकाबले में आमने-सामने होंगे। इस साल की शुरुआत में पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया और पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इसके बाद युद्ध तक बात पहुंच गई थी। दोनों देश अब केवल एशिया कप जैसे बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में ही एक-दूसरे के आमने-सामने होते हैं।

हरभजन ने कहा, 'भारत-पाकिस्तान मैच हमेशा सुर्खियों में रहता है। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद सभी ने कहा कि क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए।' हरभजन जो हाल ही में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स टूर्नामेंट का हिस्सा थे, ने याद किया कि उस इवेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच कोई मैच नहीं हुआ था। उन्होंने लीजेंड्स लीग का जिक्र करते हुए कहा, 'हमने वह मैच नहीं खेला था।'

इस अनुभवी क्रिकेटर ने पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंधों पर व्यक्तिगत रूप से विरोध जताया। हरभजन ने कहा, 'हर किसी की अपनी सोच और समझ होती है, लेकिन मेरा मानना है कि जब तक दोनों देशों के बीच संबंध नहीं सुधरते, तब तक क्रिकेट और व्यापार भी नहीं होने चाहिए। लेकिन, यह मेरा विचार है। अगर सरकार कहती है कि मैच हो सकता है, तो होना चाहिए।'

सचिन तेंदुलकर बनेंगे बीसीसीआई के नए अध्यक्ष, महान बल्लेबाज ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने गुरुवार को अटकलों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट कर दिया कि वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अगले अध्यक्ष बनने की दौड़ में नहीं हैं। पिछले कुछ दिनों से ऐसी अफवाहें चल रही थीं कि मास्टर ब्लास्टर को रोजर बिन्नी की जगह बीसीसीआई अध्यक्ष बनाने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, एसआरटी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की है कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है।

एसआरटी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के आधिकारिक बयान में कहा गया है, 'हमारे संज्ञान में आया है कि सचिन तेंदुलकर के भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष पद के लिए विचार किए जाने या नामांकित किए जाने के बारे में कुछ रिपोर्ट और अफवाहें फैल रही हैं।' बयान में आगे कहा गया, 'हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। हम सभी संबंधित पक्षों से अनुरोध करते हैं कि वे निराधार अटकलों पर ध्यान न दें।'

बीसीसीआई अध्यक्ष का पद फिलहाल खाली है, क्योंकि रोजर बिन्नी को इस साल की शुरुआत में 70 साल की उम्र पूरी होने के बाद पद छोड़ना पड़ा था। बोर्ड के संविधान के अनुसार कोई भी पदाधिकारी 70 की उम्र के बाद पद पर नहीं रह

सकता। इस बीच उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कार्यवाहक अध्यक्ष का कार्यभार संभाल लिया है। पदाधिकारियों के चुनाव 28 सितंबर को होने वाली बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में होंगे और ऐसी अटकलें हैं कि सर्वसम्मति से इस पद के लिए तेंदुलकर से संपर्क किया जा सकता है।

तेंदुलकर के बीसीसीआई अध्यक्ष बनने की खबर उस समय और अधिक चर्चा में आई जब एक मीडिया हाउस ने दावा किया गया है कि अपने करियर के दौरान कई रिकॉर्ड तोड़ने के लिए प्रसिद्ध एक दिग्गज भारतीय क्रिकेटर पर भी इस शीर्ष पद के लिए विचार किया जा रहा है। पूर्व क्रिकेटरों द्वारा बीसीसीआई अध्यक्ष पद संभालने का चलन 2019 में शुरू हुआ, जब सौरव गांगुली ने यह पद संभाला। बाद में भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य बिन्नी ने उनकी जगह ली।

भारत ने नजरअंदाज की अमेरिका की चेतावनियां, रूस से जमकर खरीदा तेल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अमेरिका की कड़ी चेतावनियों और अतिरिक्त टैरिफ लगाने के बावजूद भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद में इजाफा किया है। हेलसिंकी स्थित सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (र्ण्ें) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त 2025 में भारत ने रूस से 2.9 बिलियन का कच्चा तेल आयात किया, जो जुलाई (2.7 बिलियन) से अधिक है। यह आंकड़ा चीन (3.1 बिलियन) के करीब पहुंच गया है।

अमेरिका का आरोप है कि भारत की खरीद से रूस को यूक्रेन युद्ध के लिए फंडिंग मिल रही है। ट्रंप प्रशासन ने 27 अगस्त से भारत के कई निर्यात उत्पादों पर 25इ अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया है। हालांकि, भारत का कहना है कि वह अंतरराष्ट्रीय नियमों और प्राइस कैप की शर्तों के भीतर रहकर ही तेल आयात कर रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका की पाबंदियां भारत पर ज्यादा असर नहीं डालेंगी। भारत दुनिया की सबसे बड़ी ऊर्जा खपत करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और रूस से मिलने वाला डिस्काउंटेड तेल उसकी जरूरतों को सस्ता और स्थिर बनाए रखने में मददगार है।

अगस्त में चीन रूस से ऊर्जा आयात का सबसे बड़ा खरीदार बना रहा। भारत दूसरे पायदान पर रहा, जबकि तुर्किये ने गैस और रिफाइंड प्रोडक्ट्स की सबसे ज्यादा खरीद की।

खेल मंत्री का बड़ा बयान : कहा- भारत को 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में लाने के लिये योजना तैयार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश में खेल संस्कृति के विकास की प्रक्रिया को सिलसिलेवार और सतत बनाने पर जोर देते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र के साथ शीर्ष पांच खेल महाशक्तियों में शामिल करने के लिये 10 वर्षीय और 25 वर्षीय योजना बनाई गई है जिस पर जल्दी ही अमल होगा।

मांडविया ने कहा कि, भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है।इसके लिये योजना तैयार कर ली गई है जो जल्दी ही देश के सामने आयेगी। इसे लागू करने के लिये नीतिगत बदलाव करने होंगे और हम इस पर जल्दी ही अमल करेंगे।

यहां 'स्पोर्ट्सस्टारः प्लेकॉम बिजनेस समिट 2025' में खेलमंत्री ने अपनी बात रखते हुए कहा कि, हमें ऐसी कार्य संस्कृति तैयार करनी होगी जिसमें प्रतिभा को तलाशने और तराशने का काम व्यवस्थित तरीके से हो। इसके साथ ही दुनिया भर के देश भारत में लीग खेलने आयें। हमें खेल कोटे से नौकरी कर रहे अपने पूर्व खिलाड़ियों के कौशल का भी पूरा इस्तेमाल करना होगा।'' खेलमंत्री ने कहा कि देश में खेलों का इकोसिस्टम तैयार करने और खेलों को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिये क्रमबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है।

वह यहीं नहीं रुके उन्होंने आगे कहा कि, इसके लिये मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले चरण

में फिट इंडिया और खेलो इंडिया जैसी मुहिम शुरू की गई। खिलाड़ियों को तमाम सुविधायें, अनुभव और आधुनिक कोचिंग देने के लिये टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) शुरू हुई। इसके बाद विजन दस्तावेज की जरूरत पड़ी तो हम खेल नीति लेकर आये। खेल मंत्री ने कहा कि, खेलों में अच्छे प्रशासन के लिये सरकार खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर खेल प्रशासन विधेयक लेकर आई जिससे खेल महासंघ अदालती विवादों में मसरूफ रहने की बजाय खिलाड़ियों पर फोकस रख सकें।

उन्होंने कहा , '' पहले खेल महासंघों के 350 से ज्यादा विवाद अदालतों में थे। इस बिल में उनके निपटान की त्वरित व्यवस्था का प्रावधान भी है। खिलाड़ियों के हितों की रक्षा और महिलाओं का खेल महासंघों में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिये विशेष प्रावधान हैं।''

मांडविया ने कहा कि भारत में दूर दराज के इलाकों की प्रतिभाओं को मौके देने के लिये मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना जरूरी है। उन्होंने कहा , ''हमने दुनिया भर में कैसे काम हो रहा है, वह देखा लेकिन अपना मॉडल बनाया। भारत की भौगोलिक विविधता का फायदा उठाते हुए खेलों का विकास सुनिश्चित करना है।आने वाले समय में हम खेल सेक्टर में आने वाले बदलावों को महसूस कर सकते हैं। हमारा लक्ष्य हर पोडियम पर भारत का परचम लहराना होना चाहिये।''

खेलमंत्री ने कहा , ''इसके लिये खेलों को जन आंदोलन में बदलना होगा। हमें खेलों से जुड़े हर हितधारक को साथ लेकर आगे बढना है और यह एक सामूहिक मिशन होना चाहिये जिससे हर नागरिक जुड़ा हो और भारत में खेलों की प्रगति में योगदान दे सके।

84 फीसदी सीईओ का विश्वास, भारत के सुनहरे दिन अभी बाकी : रिपोर्ट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एक सर्वे के मुताबिक, देश के 84इ सीईओ का मानना है कि भारत के सबसे अच्छे दिन अभी आने बाकी हैं। पब्लिक रिलेशंस कंसल्टेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और एस्ट्रम एडवाइजरी की रिपोर्ट 'इंडियाज़ प्लेस इन द न्यू वर्ल्ड ऑर्डर' में यह खुलासा हुआ है। इसमें कहा गया है कि भारत की आर्थिक प्रगति और वैश्विक नेतृत्व के लिए प्रतिष्ठा सबसे बड़ी पूंजी है। रिपोर्ट के अनुसार, 123 सीईओ से छह शहरों में सर्वे किया गया। इनमें से 89इ भारत की ग्रोथ स्टोरी पर भरोसा जता रहे हैं। वहीं, 93इ का मानना है कि सरकार ने भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है।

सीईओ ने भारत की वैश्विक नेतृत्व क्षमता के लिए चार प्रमुख पहलुओं को अहम बताया है– क्लाइमेट रेडीनेस, भू-राजनीतिक स्थिति, डिजिटल इनोवेशन और मानव पूंजी। साथ ही, उनका मानना है कि प्रगति को वैश्विक प्रभाव में बदलने के लिए संचार और प्रतिष्ठा प्रबंधन बेहद जरूरी है।

अध्ययन में यह भी सामने आया कि 92इ सीईओ मानते हैं कि भारत की ग्लोबल पोजिशनिंग मजबूत है और 54इ का कहना है कि भारत रणनीतिक संचार के जरिए अपनी छवि को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर रहा है।

हालांकि, सीईओ ने चेतावनी भी दी है कि नीति की अनिश्चितता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ंघ) से जुड़े खतरे और नागरिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों पर धारणा की खाई अगर दूर नहीं की गई, तो यह वैश्विक भरोसे को कमजोर कर सकती है।

चलती ट्रेन से कूदीं 'रागिनी एमएमएस रिटर्न' फेम एक्ट्रेस करिश्मा शर्मा, सिर और कमर पर आईं चोटें

टीवी और बॉलीवुड इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस करिश्मा शर्मा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपने साथ कुछ ऐसा कर लिया जिसके बाद उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट होना पड़ा। करिश्मा ने चलती ट्रेन से कूदकर अपनी जान जोखिम में डाल ली। आनन-फानन में उन्हें हॉस्पिटल लेकर जाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं, खुद एक्ट्रेस ने इस बारे में ताजा जानकारी दी और फैंस को खुद के लिए दुआ करने को कहा है, अब इसी बीच उनका 4 दिन पुरानी तस्वीर वायरल हो रही है एक फोटो में एक्ट्रेस बंदूक हाथ में लिए नजर आ रही हैं और दूसरी में बंदूक सिर पर रखी हुई है। लोगों ने इस पोस्ट को देखकर कमेंट कर रहे हैं।

करिश्मा शर्मा ने 4 दिन पहले जो अपनी बंदूक संग फोटो शेयर की थी वह एक शूटिंग के दौरान की हैं। वह एक कुर्सी पर बैठी हुई नजर आ रही हैं और हाथ में एक बंदूक ले रखी हैं और चश्मा लगाया हुआ है। करिश्मा ने एक साथ अपनी कई तस्वीरें शेयर कर सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया था। अब कई लोग ऐसे हैं जो उनकी इन तस्वीरों को उनके ट्रेन से छलांग लगाने वाले हादसे से जोड़ रहे हैं। वहीं उनके कुछ फैंस उनकी सुंदरता की तारीफ कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर लोग कमेंट कर रहे हैं और एक्ट्रेस से उनकी सेहत के बारे में पूछ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'मैम आप ठीक हैं?' दूसरे ने लिखा, 'मैम आपने ऐसी फोटो क्यों शेयर की।' तीसरे ने लिखा, 'करिश्मा जी क्या जरूरत थी ट्रेन से छलांग लगाने की।'

बता दें, करिश्मा शर्मा ने बुधवार, 11 सितंबर को मुंबई की चलती लोकल ट्रेन से छलांग लगा दी थी। उनके सिर और पीठ पर गंभीर चोट आई है। करिश्मा जिस समय ट्रेन से कूदी उन्होंने साड़ी पहनी हुई थी। एक्ट्रेस ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह भागकर जैसे ही मैं ट्रेन में चढ़ी, ट्रेन की स्पीड बढ़ने लगी और उनके दोस्त पीछे रह गए और ये देखकर वह काफी डर गईं और ट्रेन से कूद गई। अब वह हॉस्पिटल में हैं और ठीक हैं।

'सैयारा' के बाद 'लव इन वियतनाम'में लगा लव और रोमांस का तड़का, शांतनु माहेश्वरी संग जमी अवनीत कौर की जोड़ी

हाल ही में आई अयान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म 'सैयारा' का खुमार उतरा नहीं था कि एक और रोमांटिक लव स्टोरी रिलीज हो गई है। राहत शाह काज़मी के डायरेक्शन में बनी 'लव इन वियतनाम' रिलीज हो गई है और ये एक रोमांटिक फिल्म है। जिसमें प्रेम कहानी के साथ-साथ इंडियन और वियतनाम की संस्कृति को भी दिखाया गया है। फिल्म में अवनीत कौर और शांतनु माहेश्वरी की जोड़ी को काफी पसंद किया जा रहा है। ये फिल्म बचपन के प्यार पर आधारित है।

फिल्म की कहानी बचपन के प्यार से शुरू होती है, जिसमें मानव और सिम्मी की क्यूट सी लव स्टोरी दिखाई गई है। मानव का किरदार शांतनु माहेश्वरी ने निभाया है और अवनीत कौर, सिम्मी के रोल में नजर आ रही हैं। दोनों का ये बचपन का प्यार तब नया मोड़ लेता है जब मानव वियतनाम जाता है और वहां वो लिन से मिलता है। लिन का किरदार कहंगन ने निभाया है। यहां से फिल्म की कहानी में नया मोड़ आता है।

शांतनु माहेश्वरी ने मानव के किरदार को बेहद संवेदनशील तरीके से निभाया है। उनके किरदार में एक शरीफ और ईमानदार इंसान नजर आता है। वहीं बात अवनीत के किरदार की करें तो उन्हें इमोशनल इंसान दिखाया है। राज

बब्बर, फरीदा जलाल, गुलशन ग्रोवर जैसे सीनियर एक्टर्स भी हैं।

फिल्म के गाने, सिनेमेटोग्राफी, निर्देशन और लेखन सब अच्छा है। लेकिन इसकी स्टोरी टेलिंग में थोड़ी कमी है। जो फिल्म को थोड़ा कमजोर बनाती है। स्क्रीनप्ले सामान्य है, जिसमें मानव और लिन का रोमांस, सिम्मी का एकतरफा प्रेम और मानव की सालों की तलाश के कारण फिल्म थोड़ी इमोशनल हो जाती है।

फिल्म में सिनेमेटोग्राफर राजेंद्रन नानजन ने वियतनाम की प्राकृतिक सुंदरता को कैमरे में खूबसूरती से कैद किया है। हर गाना कहानी का हिस्सा लगता है, मजबूरी में डाला गया नहीं। यही वजह है कि म्यूजिक दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ता है। वैसे इसमें काफी अच्छाइयां हैं, लेकिन जो थोड़ी कमी है और ये एक वन टाइम वॉच मूवी है।

सीएम सिद्धारमैया बोले- राज्य में नई जातिगत गणना पर खर्च होंगे 420 करोड़

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। कर्नाटक सरकार राज्य में एक बार फिर जातिगत जनगणना कराने जा रही है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को घोषणा की कि यह सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण 22 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। इस सर्वेक्षण पर अनुमानित 420 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। सिद्धारमैया ने कहा कि सर्वेक्षण ''वैज्ञानिक'' तरीके से किया जाएगा और इसके लिए 60 प्रश्नों वाली प्रश्नावली तैयार की गई है। सिद्धारमैया ने यहां संवाददाताओं से कहा, '' कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, अध्यक्ष मधुसूदन आर. नाइक की अध्यक्षता में सात करोड़ लोगों की सामाजिक और शैक्षिक स्थिति जानने के लिए एक नया सर्वेक्षण कर रहा है। आयोग को सर्वेक्षण पूरा करके जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। आयोग ने कहा है कि वह दिसंबर से पहले रिपोर्ट सौंप देगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि दशहरे की छुट्टियों के दौरान सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को सर्वेक्षण के लिए तैनात किया जाएगा।

उन्होंने कहा, '' लगभग 1, 75, 000 शिक्षकों का सहयोग लिया जाएगा, जिनमें से प्रत्येक को 20, 000 रुपए तक का पारिश्रमिक दिया जाएगा। यह मुख्य लागत घटक है, जो लगभग 325 करोड़ रुपए है। कुल मिलाकर सर्वेक्षण के लिए 420 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं और ज़रूरत पड़ने पर अतिरिक्त धनराशि भी उपलब्ध कराई जाएगी।'' सरकार ने 2015 में सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण पर 165.51 करोड़ रुपए खर्च किए थे, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया था।

बिहार के जिलों के समग्र विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन सम्पन्न

पटना **(एजेंसी)**। जिलों के समग्र विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन पटना में देशभर से आए वरिष्ठ प्रशासकों, नीतिनिर्माताओं और विशेषज्ञों ने सहभागी शासन और सतत् विकास के सफल अनुभव साझा किए। चर्चाओं का फोकस पारदर्शिता बढ़ाने, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की प्रभावशीलता, समग्र शासन दृष्टिकोण और प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं के व्यापक क्रियान्वयन पर रहा। चौथे सत्र की अध्यक्षता भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के महानिदेशक एस. एन. त्रिपाठी ने की। उन्होंने योजनाओं की समयबद्ध उपलब्धता के लिए पारदर्शिता और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी सुधारात्मक पहलों की महत्ता पर बल दिया।

जिलास्तरीय अनुभवों के अंतर्गत, पटना के जिलाधिकारी थियागराजन एस. एम. ने बच्चों में श्रवण क्षमता ह्रास की समस्या के समाधान हेतु विकसित अभिनव मॉडल प्रस्तुत किया। आंगनबाड़ी ढाँचे और विभागीय समन्वय का उपयोग करते हुए बिना अतिरिक्त बजट व्यय के यह पहल अनेक बच्चों के लिए जीवन बदलने वाला साबित हुई। पूर्वोत्तर भारत से अनुभव साझा करते हुए जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की निदेशक डॉ. वर्णाली डेका ने असम के नलबाड़ी जिले की नो वन लेफ्ट बिहाइंड पहल पर प्रकाश डाला। उद्यम गोष्ठी जैसे मंचों ने स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देकर ज़िले में स्थायी विकास को नई दिशा दी।

राजस्थान के बीकानेर की जिलाधिकारी सुनाम्रता वृष्णि ने रेगिस्तानी क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए आंगनबाड़ी स्तर पर स्थानीय भाषा में शिक्षा, विद्युतीकरण और स्मार्ट टीवी व्यवस्था जैसी पहलों की जानकारी दी। बिहार के खेल परिदृश्य में तेज़ बदलाव को प्रस्तुत करते हुए

निदेशक (खेल) महेन्द्र कुमार ने बताया कि मनरेगा के तहत राज्य में 8, 000 से अधिक खेल मैदान विकसित किए गए हैं। उन्होंने छात्रवृत्ति, प्रतिभा पहचान, अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी और अवसंरचना विकास जैसी पहलों के माध्यम से बिहार को खेल क्षेत्र में उभरती शक्ति बताया।

पाँचवें सत्र की अध्यक्षता बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग के प्रधान सचिव नरमदेश्वर लाल ने की। इस सत्र में आज़मगढ़ के जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और महिलाओं हेतु पोषण कार्यक्रम जैसे कल्याणकारी उपायों की सफलता साझा की। गुजरात के अरावली जिले की जिलाधिकारी सुप्रशस्ती पारेख ने पीएम-जन आरोग्य योजना, पोषण 2.0, हर घर जल, मातृ वंदना योजना और पीएम आवास योजना जैसी योजनाओं के तालमेल के सफल परिणाम बताए।

वैशाली के पूर्व जिलाधिकारी यशपाल मीणा ने अपना पंचायत, अपना प्रशासन पहल के माध्यम से ग्राम स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही को कैसे सुदृढ़ किया गया, इसका अनुभव साझा किया। कर्नाटक के तुमकुरु जिले की जिलाधिकारी सुशुभा कल्याण ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और महिलाओं के लिए डिजिटल भुगतान को सशक्त बनाने जैसे अनुभव बताए। इन सभी अनुभवों से यह स्पष्ट हुआ कि जिलास्तरीय नेतृत्व, जब राज्य एवं केंद्र की नीतियों का समर्थन प्राप्त करता है, तो वह विकास को जनकेंद्रित और प्रभावी बना सकता है।

समापन अवसर पर सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेन्दर ने सम्मेलन के सफल आयोजन पर बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन की टीम को बधाई दी। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव पुनीत यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत एवं विकास आयुक्त डॉ. एस. सिद्धार्थ के नेतृत्व की सराहना करते हुए बिहार सरकार को देशभर के जिलों की श्रेष्ठ पहलों को साझा करने हेतु सफल सम्मेलन आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया।

ठाकरे का बड़ा बयान, पाक से मैच खेलना दुर्भाग्यपूर्ण, बीसीसीआई राष्ट्र-विरोधी है

मुम्बई **(एजेंसी)**। एशिया कप 2025 में भारत बनाम पाकिस्तान मैच पर शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने बड़ा बयान दिया है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि पाकिस्तान जिसने बार-बार हमारे देश पर हमले किए हैं, देश में आतंकवाद फैलाया है, पहलगाम में निर्दोष लोगों को मार डाला है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि बीसीसीआई पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने के लिए इतना उत्साहित क्यों है? पाकिस्तान ने 2025 पुरुष हॉकी एशिया कप का बहिष्कार करने का फैसला किया क्योंकि टूर्नामेंट भारत द्वारा आयोजित किया जा रहा था। हम भी बहिष्कार क्यों नहीं कर सकते?

आदित्य ठाकरे ने कहा कि भाजपा ने अपनी विचारधारा बदल दी है... यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम पाकिस्तान के साथ मैच खेल रहे हैं... बीसीसीआई राष्ट्र-विरोधी है। एनसीपी-एसपी सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को भारत बनाम पाकिस्तान एशिया कप 2025 मैच पर केंद्र सरकार के रुख पर आश्चर्य व्यक्त किया और पूछा कि अगर खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, तो बल्ला और गेंद एक साथ कैसे आ गए। सुप्रिया सुले ने संवाददाताओं से कहा कि मैं भारत-पाकिस्तान मैच पर सरकार के रुख से स्तब्ध हूँ।

एक तरफ, वे कहते हैं कि 'खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते', तो यह मैच कैसे हो रहा है? अगर खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, तो बल्ला और गेंद एक साथ कैसे आ सकते हैं?

इससे पहले, शिवसेना (यूबीटी) ने एशिया कप 2025 में होने वाले आगामी भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का विरोध करने की घोषणा की थी। पार्टी सांसद संजय राउत ने पड़ोसी देश के खिलाफ खेलने के फैसले को देशद्रोह और बेशर्मी करार दिया। पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा, 'हम इस भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का विरोध करेंगे। महिलाएँ सड़कों पर उतरेंगी और हमारा अभियान 'सिंदूर रक्षा अभियान' है। आपने कहा था कि पानी और खून साथ-साथ नहीं बहेंगे। अगर पानी और खून साथ-साथ नहीं बहेंगे, तो खून और क्रिकेट साथ-साथ कैसे चलेंगे? यह देशद्रोह है, बेशर्मी है।'

बॉम्बे न्यायालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराया गया परिसर

मुम्बई **(एजेंसी)**। बॉम्बे उच्च न्यायालय की कार्यवाही अचानक रुक गई, जब अधिकारियों को दक्षिण मुंबई स्थित ऐतिहासिक न्यायालय भवन को उड़ाने की धमकी भरा एक ई-मेल प्राप्त हुआ। अधिकारियों के अनुसार, अदालत के आधिकारिक अकाउंट पर यह ईमेल दोपहर करीब 1:00 बजे प्राप्त हुआ। प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए, अंदर मौजूद सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दोपहर करीब 12:45 बजे परिसर खाली कराने का फैसला किया। बार एसोसिएशनों को अपने सदस्यों को सूचित करने के लिए कहा गया, जिसके बाद वकील, मुद्दई और अदालत के कर्मचारी इमारत से बाहर निकल गए। एसोसिएशन के एक प्रतिनिधि ने कहा कि अदालत के अधिकारियों के अनुरोध पर, हमने सभी सदस्यों को परिसर खाली करने के लिए सूचित कर दिया ताकि पुलिस गहन जाँच कर सके। पुलिस उपायुक्त प्रवीण मुंडे, अन्य अधिकारियों और बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) के साथ, निरीक्षण के लिए घटनास्थल पर पहुँचे। आज़ाद मैदान पुलिस स्टेशन और दक्षिण क्षेत्र की अतिरिक्त टीमें भी इस अभियान में शामिल हुईं। निर्धारित प्रोटोकॉल और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार, हमारी टीमें जाँच कर रही हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा हमें पहले भी इस तरह के कई धमकी भरे मेल मिले हैं, जिनमें इस्कॉन मंदिर और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने वाले मेल भी शामिल हैं, और ये सभी फर्जी निकले।

कांग्रेस पर गिरिराज सिंह का वार

अगर मैं नेहरू और माउंटबेटन का एआई वीडियो बनाऊँ तो वे क्या करेंगे?

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां का एआई-जनरेटेड वीडियो पोस्ट करने पर कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। केंद्रीय मंत्री ने एएनआई को बताया कि आज यह देखना वाकई दर्दनाक था। धोखेबाज कांग्रेस-आरजेडी के लोगों ने पीएम मोदी की दिवंगत मां का अपमान किया। एआई तकनीक के ज़रिए उन्होंने उनसे 'हल्की बातें' कहलवाईं और बहुत घटिया काम किया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर तंज कसते हुए पूछा कि मैं उन्हें चुनौती देता हूँ, अगर मैं नेहरू और माउंटबेटन का एआई वीडियो बनाऊँ तो वे क्या करेंगे?

इससे पहले आज, कांग्रेस पार्टी की बिहार इकाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वे अपनी दिवंगत मां हीराबेन मोदी के बारे में सपने देख रहे हैं, जो उनकी राजनीति को लेकर उन पर निशाना साध रही हैं। इससे पहले भी एक बार पार्टी की आलोचना हुई थी, जब एक अज्ञात व्यक्ति ने बिहार के दरभंगा में कांग्रेस के नेतृत्व वाली 'मतदाता अधिकार यात्रा' के मंच पर चढ़कर पीएम मोदी और उनकी मां को गालियां दीं थीं। जवाब में, भाजपा ने कथित अपशब्दों को लेकर विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) तथा उसके

नेताओं राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर कड़ा हमला बोला था।

इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपनी मां के खिलाफ कथित टिप्पणी को लेकर राजद और कांग्रेस पर निशाना साधा था। एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि ये अपमानजनक टिप्पणियां सिर्फ उनकी मां का ही नहीं, बल्कि देश की सभी माताओं, बहनों और बेटियों का अपमान हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि माँ ही हमारा संसार है। माँ ही हमारा स्वाभिमान है। इस संस्कार संपन्न बिहार में कुछ दिन पहले जो हुआ, उसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। बिहार में राजद-कांग्रेस ने मेरी माँ के साथ दुर्व्यवहार किया। ये दुर्व्यवहार सिर्फ़ मेरी माँ का अपमान नहीं है। ये देश की माताओं, बहनों और बेटियों का अपमान है।

करीबी की हुई मौत, लेकिन वाईएमसीए पर कदम थिरकाने से खुद को नहीं रोक पाए ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को न्यूयॉर्क यांकीज़ खेल में भाग लेने और 'वाईएमसीए' गाने पर थिरकने को लेकर ट्रोल होने लगे। यह घटना यूटा में उनके करीबी सहयोगी चार्ली किर्क की हत्या के एक दिन बाद हुई है। अपने खास सूट और लाल टाई पहने ट्रंप, यांकीज़ टीम के अध्यक्ष रैंडी लेविन के बगल में बैठे थे और पूरे मैच के दौरान उनसे बातें करते रहे। खेल के दौरान उन्हें कई बार अकेले बैठे भी देखा गया। ट्रम्प की खेल में उपस्थिति 9/11 हमलों की वर्षगांठ पर भी हुई। बाद में जब स्टेडियम में 'वाईएमसीए' गाना बजाया गया, तो राष्ट्रपति अपनी सीट पर बैठे-बैठे ही संगीत पर नाचते नज़र आए। वे बीच-बीच में गीत गाते रहे और अपने 'नृत्य' में दोनों हाथ हिलाते रहे। न्यूयॉर्क यांकीज़ ने चार्ली किर्क को श्रद्धांजलि अर्पित की और गुरुवार के खेल से पहले उनके सम्मान में एक क्षण का मौन रखा।

हालाँकि, ट्रंप के खुशमिजाज़ मिज़ाज़ पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएँ मिलीं। कुछ लोगों ने ऐसे समय में जब पूरा देश किर्क की दुखद मौत के सदमे से गुज़र रहा था और 9/11 की बरसी मना रहा था, उनके उत्साह को बनाए रखने के प्रयासों की सराहना की। वहीं कुछ लोगों ने ट्रंप को अपने करीबी सहयोगी की मौत पर शोक मनाने के बजाय नाचने के लिए ट्रोल किया। सोशल मीडिया पर उनके डांस के वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूज़र ने लिखा कि चार्ली किर्क की मौत हो गई, ट्रम्प यांकीज़ गेम में दिखाई दिए। केवल अमेरिका में ही राजनीति में शोक, बेसबॉल और बुलेटप्रूफ ग्लास को एक ही पारी में मिलाया जाता है। एक अन्य यूज़र ने लिखा कि माफ़ करना, मैं अभी भी वहाँ नहीं पहुँचा हूँ। अभी तो कुछ भी मज़ेदार नहीं है।

आपको बता दें कि मात्र 31 वर्षीय किर्क की यूटा वैली विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में भाषण देते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखा कि चार्ली माइक पकड़कर तंबू के नीचे बोल रहे हैं, तभी अचानक एक गोली उनकी गर्दन के पास आकर लगती है। काफी खून बहता है और वे जमीन पर गिर जाते हैं। ये घटना यूटा शहर के यूनिवर्सिटी में हुई।

नाटो सीमा पर रूस का जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन, रूस बेलारूस सैन्य अभ्यास से पूरे यूरोप के लिए चुनौतियां बढ़ीं

मॉस्को **(एजेंसी)**। रूस और बेलारूस द्वारा शुरू किया गया 'ज़ापाद-2025' सैन्य अभ्यास केवल एक नियमित युद्धाभ्यास नहीं है; यह नाटो की सीमा के पास एक स्पष्ट शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक संदेश भी है। बाल्टिक और बारेंट्स सागर में फैले इस अभ्यास ने यह संकेत दे दिया है कि रूस न केवल अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत कर रहा है, बल्कि पश्चिमी दुनिया को चेतावनी देने की रणनीति भी अपना रहा है। यह अभ्यास, ऐसे समय में हो रहा है जब रूस-यूक्रेन युद्ध अपने निर्णायक चरण में है और सीमाओं के पार सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा रहा है।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने अभ्यास के उद्देश्य को सैन्य प्रशिक्षण और कमांडरों की क्षमता सुधारना बताया है। इस प्रशिक्षण के तहत पहले चरण में काल्पनिक हमले का सामना करने की तैयारी होगी, जबकि दूसरे चरण में 'यूनियन स्टेट' की अखंडता बहाल करने और मित्र राष्ट्रों के सहयोग से दुश्मन को कुचलने पर जोर होगा। हालांकि क्रेमलिन ने इसे किसी विशेष देश के खिलाफ नहीं बताया, लेकिन पोलैंड में ड्रोन घटनाओं ने पश्चिम में चिंता बढ़ा दी है। देखा जाये तो यह पहली बार है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष का प्रत्यक्ष प्रभाव नाटो के सदस्य देशों की सीमाओं तक पहुँच गया है।

दूसरी ओर, पोलैंड की प्रतिक्रिया इस खतरे की गंभीरता को दर्शाती है। देश ने अपने हवाई क्षेत्र में घुस आए रूसी ड्रोन को नष्ट किया, बेलारूस सीमा को बंद कर दिया और नाटो सहयोगियों की मदद ली। यह घटना केवल सैन्य प्रतिक्रिया नहीं थी, बल्कि यूरोप में सामूहिक सुरक्षा का एक संकेत भी है। इसके अलावा, फ्रांस ने तुरंत तीन राफेल जेट्स तैनात किए, जबकि डेनमार्क ने अपने हवाई सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए बड़े पैमाने पर यूरोपीय निर्मित हवाई रक्षा प्रणाली खरीदने का निर्णय लिया। यह स्पष्ट संदेश है कि यूरोप रूस की बढ़ती धमकियों को गंभीरता से ले रहा है और सामरिक तैयारियों में तेजी ला रहा है।

इस तनावपूर्ण परिदृश्य में, यूक्रेन ने भी अपनी रणनीति को तेज किया है। रूस के उत्तर-पश्चिमी पोर्ट प्रिसोर्स्क पर ड्रोन हमलों ने रूस के ऊर्जा आपूर्ति तंत्र को चुनौती दी है। यूक्रेन की ये कार्रवाई यह दर्शाती है कि युद्ध केवल मोर्चों तक सीमित नहीं है; यह रूस के घरेलू ऊर्जा संसाधनों और आर्थिक हितों तक फैल गया है। रूस ने ड्रोन हमलों से निपटने के लिए व्यापक हवाई रक्षा तंत्र लगाया और क्रूड निर्यात योजनाओं में बदलाव किया, लेकिन नागरिकों में चिंता और भय स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

संपूर्ण परिदृश्य यह संकेत देता है कि यूरोप-पूर्व में सुरक्षा और शक्ति संतुलन अब पहले से कहीं अधिक जटिल और संवेदनशील हो गया है। रूस के अभ्यास, पोलैंड की सक्रिय प्रतिक्रिया और यूक्रेन के रणनीतिक हमले मिलकर यह दर्शाते हैं कि यह क्षेत्र अब केवल सैन्य संघर्ष का केंद्र नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन और ऊर्जा सुरक्षा का प्रमुख स्थल बन गया है। निश्चित रूप से, 'ज़ापाद-2025' केवल सैन्य तैयारी नहीं, बल्कि यूरोप में रणनीतिक और राजनीतिक संदेश भी है। नाटो और यूरोपीय देश यह स्पष्ट कर रहे हैं कि वे किसी भी तरह की धमकी या आक्रामकता के प्रति सतर्क हैं। वहीं, यूक्रेन की कार्रवाई यह संकेत देती है कि संघर्ष केवल मोर्चे तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके बहुआयामी प्रभाव पूरे क्षेत्र को प्रभावित कर रहे हैं।

इसलिए, इस समय यूरोप में सुरक्षा परिदृश्य अधिक संवेदनशील, अस्थिर और रणनीतिक दृष्टि से जटिल बन गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने नाटो और रूस के बीच शक्ति संतुलन को चुनौती दी है और यह स्पष्ट कर दिया है कि अब किसी भी सैन्य या राजनीतिक घटना का प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी देखने को मिल सकता है।

बहरहाल, रूस और बेलारूस का 'ज़ापाद-2025' अभ्यास और पोलैंड, फ्रांस, डेनमार्क की सक्रिय सुरक्षा प्रतिक्रिया इस बात का प्रतीक है कि यूरोप में सुरक्षा केवल राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं रही।

उत्तर मध्य रेलवे

संख्याः एस/सेल/611/ई-नी.का./25-26 दिनांकः 12.09.2025

ई-नीलामी कार्यक्रम, सूचना संख्या- 07 अक्टूबर माह-2025

अवगत कराया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे के विभिन्न मण्डलों तथा डिपो में उपलब्ध स्क्रैप का विक्रय ई-नीलामी के माध्यम से सम्पन्न किया जायेगा तथा सभी आयोजक अपने निर्धारित क्षेत्र के स्क्रैप का निस्तारण करेंगे।

रद्दी मदें: पी.वे. व स्क्रैप रेल, कास्ट आइरन स्क्रैप, कन्डम रोलिंग स्टाक, नॉन फेरस एवं नॉन मेटालिक स्क्रैप, टर्निंग और बोरिंग, कन्डम आयल/पेंट्स ड्रम्स, कन्डम मशीनरी एवं प्लान्ट, कन्डम व्हेकिल्स, कन्डम आफिस इक्विपमेंट्स, फाउन्ड्री स्लैग रिलीज ओवर हेड एम.एस./जी.आई. टैंक्स, ट्रेन लाइटिंग पंखों का रिलीज्ड फेरस स्क्रैप, रिलीज्ड एम.एस./जी.आई. पाइप लाइन, फाउन्ड्री स्क्रल वर्कशाप एम.एस. स्क्रैप और अन्य एम.एस. स्क्रैप मदें।

क्रमांक	ई-नीलामी की तिथि व दिन		डिपो/मण्डल	नीलामी के आयोजक	माध्यम
1.	10.10.2025	शुक्रवार	सा.भ.डिपो/झाँसी	उप मु.सा.प्रबं./ प्रणाली/झाँसी	www.ireps.gov.in वेबसाइट द्वारा
2.	17.10.2025	शुक्रवार			
3.	24.10.2025	शुक्रवार			
4.	31.10.2025	शुक्रवार			
5.	07.10.2025	मंगलवार	सा.भ.डिपो/कानपुर	उप मु.सा.प्रबं./ जी.एस.डी./कानपुर	
6.	15.10.2025	बुधवार			
7.	29.10.2025	बुधवार			
8.	08.10.2025	बुधवार	प्रयागराज मण्डल	व.म.सा.प्रबं./ उ.म.रे./प्रयागराज	
9.	16.10.2025	गुरुवार			
10.	24.10.2025	शुक्रवार			
11.	31.10.2025	शुक्रवार			
12.	08.10.2025	बुधवार	झाँसी मण्डल	व.म.सा.प्रबं./ उ.म.रे./झाँसी	
13.	14.10.2025	मंगलवार			
14.	17.10.2025	शुक्रवार			
15.	29.10.2025	बुधवार			
16.	09.10.2025	गुरुवार	आगरा मण्डल	व.म.सा.प्रबं./ उ.म.रे./आगरा	
17.	16.10.2025	गुरुवार			
18.	23.10.2025	गुरुवार			
19.	30.10.2025	गुरुवार			

विशेष शर्तें: (1) सभी प्रकार की रद्दी मदों की नीलामियाँ ई-नीलामी के माध्यम से 'www.ireps.gov.in' वेबसाइट द्वारा सम्पन्न की जायेंगी। यदि उसी दिन निर्धारित कैलेन्डर दिवस में नीलामी पूर्ण नहीं हो पाती है तो नीलामी अगले कैलेन्डर दिवस में भी जारी रहेगी। (2) ई-नीलामी द्वारा जो लाट बेचे नहीं जा सके, उन्हें डिपो द्वारा अगले ई-नीलामी में सम्मिलित किया जाएगा। (3) इच्छुक खरीददार स्क्रैप किये गये सामग्रियों के लाटों का निरीक्षण नीलामी से पहले कार्य दिवसों में नामित स्थल पर कर सकते हैं। (4) यदि बिक्री की गई सामग्री की कीमत **5 लाख रूपयों** से अधिक है तो ऐसी स्थित में क्रेता को जीएसटी विभाग में पंजीकृत होना आवश्यक है। (5) नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी के लिए (जैसे कैटलाग नीलामी की गई मदों की अन्तिम बिक्री दर तथा अन्य सभी विवरण) कृपया हमारे वेबसाइट **'www.ncr.indianrailways.gov.in'** पर देखें। (6) ई-नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी **'www.ireps.gov.in'** वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

1656/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

इजरायल को यूएनएससी में घेरने चला था पाकिस्तान, 4 सेकेंड में वैश्विक मंच पर हुई बेइज्जती

संयुक्त राष्ट्र **(एजेंसी)**। चार सेकंड और एक वाक्य में ही पाकिस्तान वैश्विक मंच पर शर्मसार हो गया। यह तीखा पल तब आया जब संयुक्त राष्ट्र कतर में हमास के राजनीतिक नेतृत्व को निशाना बनाकर किए गए इज़राइल के हालिया हमले पर चर्चा कर रहा था। यह घटना तब हुई जब मानवाधिकार वकील और यूएन वॉच के कार्यकारी निदेशक हिलेल नेउर कतर पर आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगा रहे थे और इस खाड़ी देश पर आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला देश होने का आरोप लगा रहे थे। नूयर ने इज़राइल की निंदा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रमुख पर भी निशाना साधा।

उन्होंने याद दिलाया कि जब अमेरिका ने अल-क़ायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में मार गिराया था, तब तत्कालीन संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा था कि न्याय हो गया है।

हालाँकि, पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने नूयर द्वारा बिन लादेन और देश का ज़िक्र करने पर नाराज़ होकर उन्हें बीच में ही रोक दिया। प्रतिनिधि ने यूएनएचआरसी अध्यक्ष से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि कोई भी वक्ता संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों और संप्रभु सदस्य देशों की क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन न करे।

पाकिस्तान ने कहा, 'हम निराधार आरोप लगाने और आरोप लगाने का विरोध करते हैं। हालाँकि, यूएनएचआरसी अध्यक्ष ने जल्द ही माइक नूयर को वापस दे दिया और उन्हें याद दिलाया कि उनके पास अपना भाषण पूरा करने के लिए चार सेकंड हैं। इस प्रसिद्ध वकील ने उन चार सेकंड का पूरा इस्तेमाल किया।

नूयर ने अपना भाषण समाप्त करते हुए कहा कि राष्ट्रपति महोदय, पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला एक और देश हैगरजते हुए कहा, जिससे पाकिस्तानी प्रतिनिधि शर्मिंदा हो गया।

नेपाल में हुई तेल की कमी, भारत ने धड़ाधड़ टैंकर भेजने शुरू कर दिए, ट्रंप पकड़ लेंगे माथा

काठमांडू **(एजेंसी)**। नेपाल में पिछले 72 घंटों से लगातार हालात बिगड़े हुए हैं। नेपाल में सड़क का घमासान अब सियासी खींचतान में बदल गया है। बेन-जी समूहों ने अंतरिम प्रधानमंत्री के लिए सुप्रीम कोर्ट की पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की पर सहमति जताई थी, लेकिन अब वे बंट गए हैं। जेन-जी के अलग-अलग समूह अलग-अलग नाम सुझा रहे हैं। इस कारण उनमें झड़पें शुरू हो गई हैं। अंतरिम प्रधानमंत्री के लिए तीन और दावेदारों के नाम सामने आए हैं। इनमें कुलमान घीसिंग, बालेन शाह, मेगर हरका सम्पांग शामिल हैं। नेपाल में अंतिरम सरकार का नेतृत्व कौन करेगा। किसकी सरकार बनेगी। संसद भंग होगा, इन सभी बातों को लेकर विचार मंथन जारी है। एक तरफ जहां सेना मुख्यालय में बैठकर इसको लेकर चिंतन मंथन किया जा रहा है।

दूसरी तरफ सड़कों पर जेन जेड आपस में ही भिड़ने लगे हैं। वहीं नेपाल में तेल की भी क्राइसिस खड़ी हो गई। पेट्रोल-डीजल की कमी होने लगी। उसके बाद बार्डर बंद होने के बाद से ट्रेड रूक सा गया था। भारत से नेपाल पहुंचने वाले तेल के टैंकर इंतजार में खड़े थे कि कब उन्हें काठमांडू में दाखिल होने का मौका मिलेगा तो वो वक्त 72 घंटों के बाद आया है। विरोध-प्रदर्शनों से प्रभावित नेपाल में फंसे 420 से ज़्यादा भारतीय आखिरकार गुरुवार को स्वदेश लौट सके क्योंकि सोमवार से बंद पानीटंकी स्थित भारत-नेपाल सीमा खुल गई। भारत में मौजूद लगभग 560 नेपाली नागरिक नेपाल जा सके। भारत से 19 पेट्रोलियम टैंकरों सहित 36 ट्रक भी नेपाल पहुँचे, जिससे ज़रूरी ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित हुई। जल्दी खराब होने वाले सामान से लदे चार ट्रक शाम को नेपाल के लिए रवाना होने वाले थे, जो माल की कमी से जूझ रहे इस हिमालयी देश के लिए रसद सामग्री लेकर जाएँगे। तीन एम्बुलेंस को पानीटंकी से गुज़रने की अनुमति दी गई।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।